संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 243
पृष्ठ 8
शनिवार
23 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- एक रात में ही केला पककर...
विचार- घरेलू तेल खपत को कम करने...
खेल- अल नस्र को खिताब जिताने के बाद...

मंत्रिपरिषद बैठक में पीएम मोदी की मंत्रियों को दो टूकःकहा-

सरकारी कामकाज में देरी बर्दाश्त नहीं

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रिपरिषद के साथ उनकी सार्थक बैठक हुई जिसमें जीवन को सुविधाजनक बनाने और कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने संबंधी सर्वोत्तम तौर–तरीकों पर चर्चा हुई और विचारों का आदान–प्रदान किया गया। मोदी ने कहा कि बृहस्पतिवार शाम हुई बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि विकसित भारत के साझा सपने को साकार करने के लिए सुधारों को और कैसे आगे बढ़ाया जाए। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मंत्रिपरिषद की कल एक सार्थक बैठक हुई। हमने लोगों के जीवन को और सुविधाजनक बनाने तथा कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने एवं विकसित भारत के अपने साझा सपने को साकार करने के लिए सुधारों को आगे बढ़ाने से जुड़े विचारों और सर्वोत्तम

तौर–तरीकों पर चर्चा की। करीब चार घंटे चली इस बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और राज्य मंत्री शामिल हुए। मंत्रिपरिषद की इस साल यह पहली बैठक थी। प्रधानमंत्री ने इससे पहले कहा था कि उनकी सरकार की सुधार एक्सप्रेस ने प्रणालीगत बदलाव किए हैं और नागरिकों को उल्लेखनीय तरीके से लाभ पहुंचाया है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने अपनी मंत्रिपरिषद से भारत को 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखने को कहा। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि उनका उद्देश्य हमेशा लोगों के जीवन को अधिक सुविधाजनक और सुगम बनाना होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, मोदी ने कहा कि लोगों के जीवन में किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से कहा कि वे हरसंभव कदम उठाएं ताकि लोगों को सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों का अधिकतम लाभ मिल सके। मोदी ने कहा कि यह समय आगे देखने का है, न कि अतीत में किए गए कार्यों में उलझे रहने का। उन्होंने कहा कि सरकार 2014 से सत्ता में है तथा 2026 में ध्यान भविष्य के लक्ष्यों और उपलब्धियों पर होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने मंत्रियों को शासन और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित रखने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकारी कामकाज में किसी तरह का विलंब नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मोदी की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की हालिया यात्राओं पर प्रस्तुति दी। कुल नौ सचिवों ने अपने मंत्रालयों और विभागों की पहलों एवं कार्य प्रदर्शन पर प्रस्तुतियां दीं। कैबिनेट सचिव टी. वी. सोमनाथन ने सरकार की समग्र सुधार पहलों और अन्य जन–केंद्रित कदमों पर प्रस्तुति दी। नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा ने भी प्रस्तुति दी।

हर अवैध घुसपैठिए को देश से बाहर निकालेंगे :अमित शाह

नई दिल्ली ,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार अगले एक साल के भीतर पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी करीब 6000 किलोमीटर लंबी सीमा पर "स्मार्ट बॉर्डर" सुरक्षा सिस्टम लागू करेगी। इसके तहत ड्रोन, रडार, स्मार्ट कैमरे और दूसरी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर सीमा की निगरानी मजबूत की जाएगी, ताकि घुसपैठ और तस्करी को पूरी तरह रोका जा सके। दिल्ली में बीएसएफ के रुसतमजी मेमोरियल लेक्चर और ठैश इन्वेस्टिचर सेरेमनी को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सरकार की अवैध घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति है। उन्होंने कहा कि देश में मौजूद हर अवैध घुसपैठिए की पहचान की जाएगी और उसे वापस भेजा जाएगा। अमित शाह ने कहा कि अवैध घुसपैठ केवल सीमा सुरक्षा का मुद्दा नहीं है। उन्होंने ठैश जवानों से कहा कि वे इस

कोशिश को सफल नहीं होने दें और सीमा सुरक्षा को और मजबूत करें। गृह मंत्रालय जल्द ही एक हाई–पावर डेमोग्राफी मिशन शुरू करेगा। इसका उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव से जुड़े मामलों की निगरानी और सुरक्षा एजेंसियों को सहयोग देना होगा। गृह मंत्री ने बताया कि अगले एक साल में सीमा पर एक मजबूत सुरक्षा ग्रिड तैयार किया जाएगा। स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट के तहत BSF को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। ड्रोन, रडार और एडवांस कैमरों की मदद से सीमा के संवेदनशील हिस्सों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि बीएसएफ के गठन के 60वें वर्ष में इस परियोजना को लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जाएगा। इसका मकसद सीमा को अधिक सुरक्षित और घुसपैठ के लिए लगभग अभेद्य बनाना है शाह ने कहा कि घुसपैठ और पशु तस्करी के रास्तों को बंद करने के लिए ठैश को अपनी सूचना व्यवस्था और मजबूत करनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

माता-पिता दोनों आईएएस तो आरक्षण क्यों ओबीसी रिजर्वेशन पर

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में क्रीमी लेयर से जुड़े आरक्षण नियमों पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने इस मुद्दे पर सुनवाई करते हुए कहा कि जब किसी व्यक्ति के माता–पिता उच्च सरकारी पदों, जैसे कि आईएएस अधिकारी, पर कार्यरत हों, तो ऐसे परिवारों के बच्चों को आरक्षण का लाभ क्यों दिया जाना चाहिए। यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें क्रीमी लेयर की परिभाषा और आरक्षण से जुड़े प्रावधानों को चुनौती दी गई थी। अदालत ने इस विषय को सामाजिक न्याय और अवसरों के संतुलन से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि किसी परिवार में दोनों माता–पिता आईएएस अधिकारी हैं, तो उनके बच्चों को आरक्षण का लाभ देने का औचित्य क्या है। उन्होंने कहा कि शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण से सामाजिक गतिशीलता आती है। ऐसे में जिन परिवारों ने पहले ही आरक्षण का लाभ लेकर उच्च पदों और बेहतर सामाजिक स्थिति हासिल कर ली है, उनके बच्चों को उसी व्यवस्था का लाभ जारी रखना उचित नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि यह एक ऐसा विषय है जिस पर गहन विचार–विमर्श की आवश्यकता है, क्योंकि आरक्षण का उद्देश्य वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाना है, न कि एक ही परिवार में बार–बार लाभ देना। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्लसूएस) और ओबीसी क्रीमी लेयर की तुलना पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दोनों श्रेणियों को एक समान नहीं माना जा सकता। अदालत के अनुसार, ईडब्लसूएस श्रेणी केवल आर्थिक पिछड़ेपन पर आधारित है, जबकि ओबीसी आरक्षण में सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन भी एक महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए दोनों के मानदंड अलग–अलग हैं और इन्हें समान स्तर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इन दोनों श्रेणियों को एक जैसा मान लिया जाएगा, तो आरक्षण व्यवस्था के मूल उद्देश्य और अंतर ही समाप्त हो जाएंगे। जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ाना है, लेकिन जब एक ही परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी लोग उच्च पदों पर पहुंच जाते हैं, तो वहां सामाजिक गतिशीलता पहले ही स्थापित हो चुकी होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब माता–पिता सरकारी सेवा में उच्च पदों पर पहुंच चुके होते हैं, तो उनके बच्चों की स्थिति पहले जैसी वंचित नहीं रह जाती। ऐसे मामलों में आरक्षण के लाभ की निरंतरता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

मालेगांव विस्फोट केस के फैसले पर बोले सीएम योगी

'हम समस्या नहीं, समाधान देते हैं'

देवरिया,संवाददाता। सीएम योगी ने शुक्रवार को देवरिया में सपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा– इन लोगों ने विकास को बाधित किया। जनता का शोषण किया। चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ देते थे। अपने परिवार का पेट भरते थे। लूट मचा रखी थी। आज ऐसा कुछ नहीं है। माफिया मिट्टी में मिल गए। गुंडे पलायन कर गए। जिसने जनता जनार्दन को आंख दिखाने का प्रयास किया, वह अपने आप ही यमराज के घर सिधार गया। उन्होंने कहा– 2017 से पहले शाम को 6 बजे से पहले बेटियों को घर के अंदर छिपना पड़ता था। व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठान बंद करने पड़ते थे, लेकिन आज कोई नहीं कह सकता कि 6 बजे से पहले ही बेटी घर के अंदर दुबक जाए और व्यापारी प्रतिष्ठान बंद कर ले। बेटियां–बहनें नाइट शिफ्ट में उद्योगों में काम करती हैं। जब मर्जी तब अपने घर आ रही हैं। अगर कोई गुंडा छेड़छाड़ का दुस्साहस करता है, तो अगले चौराहे पर यमराज उसका टिकट

काटने के लिए बैठे रहते हैं।

'2017 के पहले हर जिले में एक माफिया था' 2017 के पहले हर जिले में एक माफिया था। त्योहारों के पहले उपद्रव होता था। गरीबों की जमीनों पर कब्जा किया जाता था। किसी भी गरीब को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिलता था। चेहरा देखकर योजनाएं बांटी जाती थीं। नौजवानों को नौकरी नहीं मिलती थी। अन्नदाता किसान को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिलता था। न बेटियां सुरक्षित थीं, न ही व्यापारी सुरक्षित। 'आज कोई बेटी की सुरक्षा में सेंध नहीं लगा सकता' आज 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' नहीं, बल्कि 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' है। यह नए यूपी की पहचान है। आज कोई बेटी की सुरक्षा में सेंध नहीं लगा सकता। कोई व्यापारी से जबरन गुंडा टैक्स नहीं ले सकता। अब हमारा अन्नदाता किसान पलायन नहीं कर रहा है। गन्ना किसानों को प्रति क्विंटल गन्ने का दाम 400 रुपए दिया जा रहा है। उसकी उपज का पूरा दाम उसे मिल रहा है। आज हर गरीब को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। अनुदेशकों और शिक्षामित्रों को कैशलेस स्वास्थ्य की सुविधा दी जा रही है। सपा के समय मोहन सिंह सेतु के निर्माण के लिए टोकन मनी के तौर पर बहुत कम धनराशि दी गई। जिस पुल के निर्माण में 100 करोड़ से ज्यादा पैसा खर्च होना था, उसके लिए केवल 1 लाख रुपए दिए गए। हमने ब्रिज कॉरपोरेशन से कहा– हर हाल में सेतु का निर्माण समय से पूरा करने की तैयारी करो, जो पैसा लगेगा, वह वर्तमान सरकार देगी। 'राम नाम से ही सपा–कांग्रेस को परहेज था३' हम मानते हैं कि वर्तमान में पश्चिम एशिया में संकट है। अमेरिका और ईरान के युद्ध के कारण तेल और गैस की आपूर्ति में बाधा आई है। याद करिए, देवरिया वासियों, जब सपा के समय लार में दुर्गा पूजा के जुलूस पर लाठीचार्ज कर उसे बाधित कर दिया गया था। मुझे तब आंदोलन करने के लिए आना पड़ा था। राम जन्मभूमि आंदोलन में राम भक्तों पर लाठियां चली थीं। यानी राम नाम से ही सपा–कांग्रेस को परहेज था। लेकिन अब अयोध्या में डबल इंजन सरकार की ताकत देखिए, भगवान राम का दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर बन गया है। यह आपके वोट की ताकत है। अच्छी सरकार आती है और अच्छा कार्य करती है। यह पूर्वजों के उद्धार का कारण बनता है। उनकी आत्मा को सच्ची शांति मिल रही होगी और आपको भी आशीर्वाद मिल रहा होगा कि आपके वोट ने वह कर दिखाया, जो दुनिया में कहीं और नहीं हुआ। आज अयोध्या, काशी और मथुरा–वृंदावन देखने को मिल रहा है। 'आज राम, कृष्ण और बाबा विश्वनाथ से हमारी पहचान बनी' आज राम, कृष्ण और बाबा विश्वनाथ से हमारी पहचान बन गई है। इन सभी देवी–देवताओं का आशीर्वाद हमें प्राप्त हो रहा है। हर उत्तर प्रदेशवासी की एक नई पहचान है। सपा के समय यही पहचान क्या होती थी? गुंडे–माफिया के रूप में होती थी। जैसे ही आप यूपी की सीमा छोड़कर जाते थे और अगर कहते थे कि यूपी से हैं, तो सामने वाला व्यक्ति आपसे 10 कदम पीछे हट जाता था। आज आप देश में कहीं भी चले जाइए। अगर कहेंगे कि मैं यूपी से आया हूं, तो सामने वाले के चेहरे पर तुरंत चमक आ जाएगी और ऐसा लगेगा जैसे वह आपको अपने गले से लगा लेगा। यह है नई पहचान। उन लोगों ने पहचान का संकट खड़ा किया। ये लोग जाति के नाम पर विभाजन करने वाले, समाज को तोड़ने वाले और देश के हितों के साथ खिलवाड़ करने वाले थे।

प्रयागराज की वरिष्ठ साहित्यकार उमा सहाय के निधन पर शोक सभा आयोजित

प्रयागराज। वरिष्ठ साहित्यकार उमा सहाय के निधन पर शहर समता विचार मंच की तरफ से एक शोक सभा डॉ प्रदीप चित्रांशी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। शोक सभा में शहर समता अखबार के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उमा सहाय एक बेहतरीन इंसान थी जो काफी दिनों से बीमार थी। आज उनका जाना एक दुखद समाचार है। भगवान उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में यह दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे एवं दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे। डॉ राकेश मालवीय नें कहा कि उमा सहाय एक अच्छी रचनाकार थी ईश्वर उनको अपने चरणों में स्थान दे। रचना सक्सेना ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक दुखद समाचार है कि आज उमा सहाय हम लोगों के बीच नहीं है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और

परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। डॉ प्रदीप चित्रांशी नें उमा सहाय की साहित्यिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए अपनी संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर शशि जायसवाल , राम कैलाश पाल प्रयागी, संजय सक्सेना, डॉ वीरेंद्र तिवारी, कविता उपाध्याय, जया मोहन, मीरा सिन्हा, प्रेमा राय, केशव सक्सेना, शाम्भवी, डॉ सविता कुमारी श्रीवास्तव, मनमोहन सिंह, के पी गिरि, वेद व्यास, राजेश सिंह राज, डॉ नीलिमा मिश्रा, अनामित पाण्डेय, शंभूनाथ श्रीवास्तव, प्रियंका त्रिपाठी,, ललिता पाठक, अनवार अब्बास नकवी, देवयानी मुखर्जी, रेनू मिश्रा, डॉ रवि मिश्रा, अनिल खरे ने भी अपनी अपनी संवेदना व्यक्त की।

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बाघ ने किया हमला, चार महिलाओं की मौत

चंद्रपुर,एजेंसी। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में शुक्रवार सुबह एक बाघ ने चार महिलाओं को मार डाला। यह महिलाएं शुक्रवार की सुबह तेंदू के पत्ते इकट्ठा कर रही थी। तभी यह घटना हुई। यह जानकारी वन अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर सिंदेवाही तहसील के गुंजेवाही गांव के पास हुई। दरअसल, महिलाओं का एक समूह तेंदू के पत्ते इकट्ठा करने के लिए जंगल में गया था, जिनका उपयोग मुख्य रूप से बीड़ी (हाथ से बनी सिगरेट) के प्राकृतिक आवरण के रूप में किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि जब वह पत्ते इकट्ठा करने में व्यस्त थीं, तभी एक बाघ ने हमला किया। इसमें चार की मौत हो गई। मृत महिलाओं की पहचान कावादाबाई मोहुरले (45), अनीताबाई (40), सुनीता (38) और संगीता (50) के रूप में हुई है।

प्रचंड गर्मी से तप रहा देश, कई शहरों में पारा 45 डिग्री के पार, लू की चेतावनी जारी

नयी दिल्ली,एजेंसी। देश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है और कई शहरों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और हालिया हीट इंडेक्स आंकड़ों के अनुसार उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में रिकॉर्डतोड़ गर्मी दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश का बांदा देश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 48.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, मध्य प्रदेश के खजुराहो का तापमान 47.4 डिग्री, राजस्थान के श्रीगंगानगर का तापमान 46.5 डिग्री, झांसी, जम्मू, चंडीगढ़ का तापमान 46.0 डिग्री सेल्सियस है। नयी

दिल्ली का तापमान 44.45 डिग्री सेल्सियस है। मौसम विभाग ने उत्तर भारत से लेकर मध्य और पूर्वी भारत तक कई राज्यों में हीट वेव, भीषण हीट वेव, गर्म और उमस भरे मौसम व गर्म रातों को लेकर चेतावनी जारी की है। इसके साथ ही दक्षिण–पश्चिम मानसून की आगे बढ़ने की स्थिति को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 22 से 27 मई के बीच कई इलाकों में हीट वेव से लेकर गंभीर हीट वेव की स्थिति बनी रह सकती है। पंजाब में भी इसी अवधि के दौरान लू चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में गर्म रातों को लेकर भी चेतावनी जारी की है। ओडिशा में 22 से 25 मई तक, उत्तर प्रदेश और विदर्भ में 22 और 23 मई को, बिहार में 22 मई को व हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी 22 मई को रात के समय तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। इसके अलावा गंगीय पश्चिम बंगाल में 22 से 26 मई तक गर्म और उमस भरा मौसम बना रह सकता है। ओडिशा में 22 से 27 मई तक व तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 23 से 27 मई तक उमस भरे मौसम की स्थिति रहने का अनुमान है। तमिलनाडु में 15 से अधिक जिलों में तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है।

एसआरएन अस्पताल में डॉक्टरों की हड़ताल खत्म, काम पर लौटे डॉक्टर

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में चल रही जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल तीसरे दिन शुक्रवार को खत्म हो गई। इमरजेंसी सेवा बहाल कर दी गई है। ओपीडी शनिवार से निर्धारित समय से संचालित की जाएगी। एसआरएन की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीलम सिंह ने बताया कि हड़ताल को समाप्त करा दिया गया है। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में चल रही जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल तीसरे दिन शुक्रवार को खत्म हो गई। इमरजेंसी सेवा बहाल कर दी गई है। ओपीडी शनिवार से निर्धारित समय से संचालित की जाएगी। मरीज के तीमारदारों से हुई मारपीट के बाद एसआरएन अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू कर दी थी। इससे अस्पताल

की चिकित्सा सेवाएं ठप हो गई थीं। इससे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। तीन दिनों तक न तो ओपीडी संचालित हुई न ही इमरजेंसी सेवा चालू की गई। सीनियर डॉक्टर अपने कक्ष में तो नियमित रूप से बैठते रहे लेकिन पर्चा न बनने के कारण मरीज डॉक्टरों के पास नहीं पहुंच सके। अस्पताल में ओपीडी बंद होने के कारण यहां आने वाले हजारों मरीजों को रोजाना बैरंग वापस लौटना पड़ा। इसके चलते कॉल्विन और बेली अस्पताल में मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई।

डॉक्टरों की मांग थी कि उनके साथ अभद्रता और मारपीट करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए। अस्पताल प्रशासन ने काफी समय समझाने का प्रयास किया लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हुए। मरीजों को हो रही परेशानी और हड़ताल को देखते हुए मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय ने शुक्रवार को 20 जूनियर डॉक्टरों को निलंबित कर दिया। मेडिकल कॉलेज प्रशासन के सख्त रुख को देखते हुए प्रदर्शनकारी डॉक्टर बैकफुट पर आ गए और उन्होंने आंदोलन को खत्म करने की घोषणा कर दी। एसआरएन की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीलम सिंह ने बताया कि जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल समाप्त करा दी गई है। वह काम पर लौट आए हैं। कल से नियमित रूप से ओपीडी संचालित की जाएगी।

प्राचार्य ने 20 डॉक्टरों को किया निलंबित

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में तीन दिनों से चल रहे हड़ताल और बवाल मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। मोतीलाल नेहरू मेडेकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय ने जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार 20 रेजिडेंट डॉक्टरों को निलंबित कर दिया है। स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में तीन दिनों से चल रहे हड़ताल और बवाल मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। मोतीलाल नेहरू मेडेकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय ने जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार 20 रेजिडेंट डॉक्टरों को निलंबित कर दिया है। इन डाक्टरों पर ट्रॉमा सेंटर में महिला वकीलों के साथ मारपीट का आरोप है। जांच कमेटी की संस्तुति के बाद यह कार्रवाई की गई है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई है। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर वीके पांडेय ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। जांच समिति की संस्तुति के बाद ट्रॉमा सेंटर में महिला वकीलों से मारपीट के दौरान ड्यूटी पर रहे यूनिट 2 के 20 रेजिडेंट डॉक्टरों को प्राचार्य ने निलंबित कर दिया है। इसमें 10 जूनियर और सीनियर रेजिडेंट सर्जरी विभाग के और 10 जूनियर और सीनियर रेजिडेंट ऑर्थो विभाग के हैं। मेडिकल कॉलेज के उप प्राचार्य डॉक्टर मोहित जैन और जांच समिति के अहम सदस्य प्रोफेसर डॉक्टर दिलीप चौरसिया ने बताया कि जांच अभी चल रही है। डॉक्टरों को निलंबित किया गया है। जांच पूरी होने के बाद भी यह देखा जाएगा की किसकी क्या गलती रही उसके बाद उचित निर्णय लेंगे।

अधिवक्ता जागृति शुक्ला को इलाज के लिए एसजीपीजीआई किया गया रेफर

प्रयागराज। अधिवक्ता जागृति शुक्ला की हालत गंभीर होने के बाद उन्हें एसजीपीजीआई लखनऊ रेफर कर दिया गया। वह एक दुर्घटना में घायल थीं। इन्हीं को दिखाने के लिए साथी एसआरएन अस्पताल पहुंचे थे। बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष विष्णु पांडेय ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के लाइब्रेरी हाल में आयोजित सभा के दौरान आरोप लगाया कि अस्पताल में मारपीट के दौरान जागृति को कोई हानिकारक इंजेक्शन लगा दिया गया। इस कारण उसका स्वास्थ्य लगातार गिर रहा है।

सभा में शामिल अधिवक्ताओं ने जागृति के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की। साथ ही इलाज के लिए आर्थिक मदद करने का अनुरोध किया है। आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी की भी मांग की है। इस अवसर पर श्रवण कुमार पांडेय, धर्मेंद्र कुमार यादव, प्रियेश पांडेय, मनोज यादव, जिज्ञांशु यादव, अभिषेक शुक्ला, शोभित सिंह, जिलाउद्दीन मलिक आदि उपस्थित रहे। उधर, ऑल इंडिया लॉयर्स एसोसिएशन (एआईएलयू) ने घायल महिला अधिवक्ता की आर्थिक मदद के लिए फंड जमा करने का आह्वान किया है। ब्यूरो

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही आरोपी की फोटो

स्वरूप रानी अस्पताल में हुए विवाद के बाद अधिवक्ताओं के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कथित आरोपी की एक फोटो खूब वायरल की जा रही है। अधिवक्ता आरोप लगा रहे हैं कि पूरे विवाद के लिए यही जिम्मेदार है। सभी लोग आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

आरोपी की गिरफ्तारी न हुई तो आंदोलन होगा और तेज

हाईकोर्ट के पास चौराहे पर धरने में शामिल हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि कुछ अराजकतत्व चिकित्सा व्यवस्था की गरिमा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आए दिन तीमारदारों और मरीजों के साथ मारपीट की घटनाएं सामने आती रहती हैं। यह चिंताजनक है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष ममता मौर्या ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को महिलाओं पर हाथ उठाने से पहले यह सोचना चाहिए कि उनके घरों में भी बहन–बेटियां हैं। अधिवक्ता भारती मिश्रा, स्वर्णलता सुमन और वंदना सिंह ने कहा कि डॉक्टर और वकील दोनों ही जिम्मेदार और शिक्षित वर्ग से आते हैं इसलिए उन्हें मर्यादित व्यवहार करना चाहिए।

प्रदेश में 10 लाख शस्त्र लाइसेंसधारी, छह हजार से ज्यादा दागी, हाईकोर्ट ने तलब की बाहुबलियों की कुंडली

प्रयागराज। यूपी सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को बताया कि सूबे में 10 लाख से ज्यादा शस्त्र लाइसेंसधारी हैं, जिसमें 6,062 लोग दागी हैं। इस जानकारी से हैरान कोर्ट ने 26 मई तक उन बाहुबलियों, रसूखदारों की आपराधिक कुंडली और उन्हें मिली सरकारी सुरक्षा का ब्योरा तलब किया है। प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को बताया कि सूबे में 10 लाख से ज्यादा शस्त्र लाइसेंसधारी हैं, जिसमें 6,062 लोग दागी हैं। इस जानकारी से हैरान कोर्ट ने 26 मई तक उन बाहुबलियों, रसूखदारों की आपराधिक कुंडली और उन्हें मिली सरकारी सुरक्षा का ब्योरा तलब किया है, जिनका नाम सरकारी हलफनामे में गुम है। इनमें अब्बास अंसारी, भाजपा नेता बृजभूषण सिंह, रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया समेत कई के नाम शामिल हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने संतकबीर नगर निवासी जय शंकर उर्फ बैरिस्टर की याचिका पर दिया है। इससे पहले गन कल्चर से चिंतित कोर्ट ने प्रदेश में शस्त्र लाइसेंस के आवंटन, नवीनीकरण और नियमों की अनदेखी को लेकर मंडलवार जारी शस्त्र लाइसेंस की जानकारी मांगी थी। इसके क्रम में जो जानकारी अपर मुख्य सचिव (गृह) और संयुक्त सचिव की ओर से दाखिल हलफनामे में दी गई, उस आंकड़े से कोर्ट हैरान है।

हथियारों के प्रदर्शन से आत्मरक्षा नहीं, भय झलकता है: हाईकोर्ट

यूपी में 10 लाख से ज्यादा लाइसेंसधारी

हलफनामे में बताया गया कि प्रदेश में मौजूदा समय में 10,08,953 शस्त्र लाइसेंस जारी हैं। अलग–अलग श्रेणियों में 23,407 आवेदन अभी भी लंबित हैं। 6,062 ऐसे मामले हैं, जहां दो या दो से अधिक आपराधिक मुकदमों वाले व्यक्तियों को शस्त्र लाइसेंस दिए गए हैं। साथ ही प्रदेश के 20,960 परिवारों के पास एक से अधिक शस्त्र लाइसेंस मौजूद हैं। पुलिस प्रमुखों और डीएम के आदेशों के खिलाफ 1,738 अपीलें कमिश्नरों के पास लंबित हैं।

अधिकारियों की ओर से पेश हलफनामे से कोर्ट अभी भी असंतुष्ट है। कोर्ट ने पाया कि अपर मुख्य सचिव (गृह) और संयुक्त सचिव की ओर से दाखिल हलफनामे में जो आंकड़े सामने आए, वे चौंकाने वाले हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन कई बार राजनीतिक और सामाजिक रूप से प्रभावशाली लोगों की जानकारी छिपा लेता है। इसलिए पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट ने जोन–वार अपराधियों के साथ–साथ कई बड़े राजनेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंसों की भी जांच के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने पूछा है कि इन्हें किस श्रेणी की सुरक्षा मिली है, कितने पुलिसकर्मी तैनात हैं और इनके पास कितने असलहे हैं।

कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी है। कहा है कि सभी जिलों के कप्तान और पुलिस कमिश्नर जानकारी पेश करते वक्त यह लिखित अंडरटेकिंग देंगे कि कोई भी जानकारी छिपाई नहीं गई है। यदि कोई तथ्य छिपाया गया तो संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। इसे कर्तव्य के प्रति जानबूझकर की गई लापरवाही माना जाएगा।

हथियारों के प्रदर्शन से आत्मरक्षा नहीं, भय झलकता हैरू हाईकोर्ट

कोर्ट ने कहा कि हथियारों का सार्वजनिक प्रदर्शन भले ही दबदबा, ताकत और सुरक्षा का भ्रम पैदा करता हो पर यह अक्सर सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ता है। आम जनता में भय व असुरक्षा की भावना पैदा करता है। खुलेआम हथियार लेकर चलना भले ही आत्मरक्षा के नाम पर सही ठहराया जाए, लेकिन जब ये डराने–धमकाने का जरिया बन जाते हैं तो इनसे सुरक्षा नहीं, बल्कि खौफ पैदा होता है। ऐसा समाज जहां हथियारबंद लोग बलपूर्वक अपना दबदबा कायम करते हैं, वह शांतिप्रिय नहीं हो सकता।

कोर्ट ने इनकी मांगी है कुंडली

नोएडा कमिश्नरेट क्षेत्र के अमित कसाना, अनिल भाटी, रणदीप भाटी, मनोज आसे, अनिल दुजाना, सुंदर सिंह भाटी, शिवराज सिंह भाटी। मेरठ जोन के उधम सिंह, योगेश भदौड़ा, मदन सिंह बद्दो, हाजी याकूब कुरैशी, शारिक, सुनील राठी, धर्मेंद्र, यशपाल तोमर, अमरपाल कालू, अनुज बरखा, विक्रांत विक्की, हाजी इकबाल, विनोद शर्मा, सुनील उर्फ मूंछ, संजीव माहेश्वरी, विनय त्यागी उर्फ टिंकू। आगरा जोन के अनिल चौधरी, ऋषि कुमार शर्मा। बरेली जोन के एजाज। लखनऊ जोन और लखनऊ कमिश्नरेट के खान मुबारक, अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही, संजय सिंह सिंघाला, अतुल वर्मा, मोहम्मद साहिब, सुधाकर सिंह, गुड्डू सिंह, अनूप सिंह, लल्लू यादव, बच्चू यादव, जुगनू वालिया उर्फ हरविंदर।

प्रयागराज जोन और कमिश्नरेट के डब्बू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह, बच्चा पासी उर्फ निहाल सिंह, दिलीप मिश्रा, जावेद, राजेश यादव, गणेश यादव, कमरूल हसन, जाविर हुसैन। वाराणसी जोन और कमिश्नरेट के त्रिभुवन सिंह उर्फ पवन सिंह, विजय मिश्रा, कुंटू सिंह उर्फ ध्रुव सिंह, अखंड प्रताप सिंह, रमेश सिंह काका, अभिषेक सिंह हनी उर्फ जहर, बृजेश कुमार सिंह, सुभाष सिंह ठाकुर, अब्बास अंसारी, पिंटू सिंह। गोरखपुर जोन और कमिश्नरेट के राजन तिवारी, संजीव द्विवेदी उर्फ रामू द्विवेदी, राकेश यादव, सुधीर सिंह, विनोद उपाध्याय, रिजवान जहीर, देवेंद्र सिंह और कानपुर जोन के अनुपम दुबे और सऊद अख्तर शामिल हैं।

नैनी नए यमुना पुल के पास दो कारों में जबरदस्त भिड़ंत, पिता और दो पुत्रों की मौत, छह घायल

प्रयागराज। नैनी में नए यमुना पुल चौराहे के पास अनियंत्रित एक्सयूवी की कार से भिड़ंत हो गई। हादसे में पिता और उसके दो पुत्रों की मौत हो गई। बेटी और बहन–बहनोई समेत छह लोग घायल हो गए। हादसे से अफरातरफी मच गई।

नैनी में लेप्रोसी चौराहा और रेलवे डॉट पुल के बीच रीवा मार्ग पर शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार एक्सयूवी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर लांघते हुए दूसरी पटरी पर जा रहे मारुति कार से टकरा गई। हादसे में कार सवार पिता और उसके दो पुत्रों की मौत हो गई। पुत्री के साथ बहन और बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गए। एक्सयूवी सवार तीन छात्रों को भी चोटे आई हैं। सभी छह घायलों को उपचार के लिए बेली अस्पताल भेजा गया है। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। एक्सयूवी कार चालक को पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शांतिपुरम फाफामऊ के रहने वाले दीपक चौरसिया परिवार और रिश्तेदारों के साथ अपनी मारुति कार से माता शारदा देवी का दर्शन करने के लिए मैहर जा रहे थे। सुबह नौ बजे उनकी कार नैनी पुल पार करने के बाद लेप्रोसी चौराहे से रीवा रोड की तरफ बढ़ी थी कि रेलवे डॉट पुल के पास अचानक दूसरी पटरी से आई एक्सयूवी कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों कारों के परखचे उड़ गए।

हादसे में दीपक चौरसिया (45) पुत्र छेदीलाल, दिव्यांशु चौरसिया (20) पुत्र दीपक चौरसिया और मान चौरसिया (17) पुत्र दीपक चौरसिया की मौके पर ही मौत हो गई। कुमारी हर्षिता चौरसिया (20) पुत्री दीपक चौरसिया, दीप के बहनोई अनिल चौरसिया (55) और बहन बेबी चौरसिया पत्नी अनिल चौरसिया निवासी दारागंज प्रयागराज घायल हो गए। दूसरी गाड़ी एक्सयूवी में सवार अर्पित कुमार यादव (20) पुत्र पवन कुमार यादव निवासी शंकर मार्केट गरथौली थाना कूड़ेभार जिला सुल्तानपुर चला रहा था। उसके साथ एक्सयूवी में प्रिंस (21) पुत्र राम गोपाल निवासी रजौनी थाना महोकंठ जिला महोबा और अंकित निवासी अज्ञात सवार थे। यह तीनों भी घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार अर्पित यूनाइटेड विश्वविद्यालय औद्योगिक क्षेत्र में एमसीए प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर का छात्र है। गाड़ी यही चला रहा था। पुलिस ने दोनों कारों को कब्जे में ले लिया है। कार चालक को पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर इसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

प्रोजेक्ट अलंकार में घोटाले की आशंका, 588 एडेड स्कूलों ने नहीं दिया हिसाब

प्रयागराज। प्रोजेक्ट अलंकार योजना में करोड़ों रुपये के दुरुपयोग अथवा बड़े घोटाले की आशंका जताई जा रही है। सरकारी सहायता लेने वाले प्रदेश के 588 अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय अब शासन और शिक्षा विभाग के लिए चिंता का विषय बन गए हैं। दरअसल, दो से तीन वर्ष बीत जाने के बावजूद अधिकतर स्कूलों ने न तो दूसरी किस्त का हिसाब दिया है, न ही तीसरी किस्त की मांग की है। योजना का उद्देश्य एडेड स्कूलों के जर्जर भवनों की मरम्मत कराना और आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना था। इसके तहत प्रत्येक विद्यालय को अधिकतम 1.25 करोड़ रुपये तक की सहायता देने का प्रावधान किया गया। विद्यालयों को अपनी ओर से 25 प्रतिशत अंशदान अलग खाते में जमा करना होता है। शेष 75 प्रतिशत राशि सरकार की ओर से तीन किस्तों में (40रू40रू20 फीसदी के अनुपात में) जारी की जाती है।

दो–दो साल बाद भी पूरा नहीं हुआ काम

जेडी अर्थ महेंद्र सिंह के अनुसार, योजना वर्ष 2023–24 में शुरू हुई थी, लेकिन अधिकतर एडेड स्कूल आज तक दूसरी और तीसरी किस्त की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए। लखनऊ के नक्खास और ऐशबाग स्थित एक इंटर कॉलेज के लिए 25–25 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। जनवरी 2024 में पहली किस्त के रूप में 8.10 लाख रुपये जारी हुए। दूसरी किस्त फरवरी 2026 में दी गई। तीसरी किस्त की मांग अब तक नहीं की गई है।

इसी प्रकार लखनऊ के ही राजेंद्र नगर स्थित एक कन्या इंटर कॉलेज को वर्ष 2024–25 में 1.25 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए। 26 मार्च 2025 को 50 लाख रुपये की पहली किस्त दी गई। स्कूल की ओर से दूसरी किस्त की मांग नहीं भेजी गई।

विभागीय सूत्रों का कहना है कि 10 विद्यालयों को छोड़ दें तो प्रदेश के 588 एडेड स्कूल ऐसे हैं, जिन्होंने दूसरी और तीसरी किस्त की मांग ही नहीं की है। नियमानुसार पहली किस्त का उपभोग प्रमाण पत्र मिलने के बाद ही अगली किस्त जारी की जाती है। अधिकतर विद्यालय इस नियम का पालन नहीं कर रहे।

एडेड स्कूलों की ओर से समय पर मांग न आने के कारण सरकार को योजना का बजट घटाना पड़ा। पहले इस योजना के लिए 300 करोड़ रुपये का बजट था। अब 100 करोड़ रुपये कर दिया गया है। राजकीय स्कूलों में कोई समस्या नहीं है, लेकिन एडेड स्कूल न तो खर्च का विवरण दे रहे हैं, न ही तीसरी किस्त की मांग कर रहे हैं। –मनोज कुमार द्विवेदी, अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक)

दूसरे दिन भी धरने पर बैठे वकील, जाम से कराह उठा शहर

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में महिला वकीलों से मारपीट के आरोप में बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। जूनियर डॉक्टरों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए वकील एकलव्य चौराहे पर धरने पर बैठे रहे। प्रदर्शन के कारण सिविल लाइंस समेत शहर के प्रमुख इलाके जाम से कराह उठे। चिलचिलाती धूप में फंसकर लोग बेहाल हो गए।

वकीलों का आरोप है कि बुधवार सुबह घायल साथी को इलाज के लिए एसआरएन अस्पताल ले जाने के दौरान इमरजेंसी में मौजूद जूनियर डॉक्टरों ने अभद्रता की। विरोध करने पर मारपीट की। मामले में हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसके बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की जा रही।

इसी विरोध में बृहस्पतिवार सुबह से ही बड़ी संख्या में वकील एकलव्य चौराहे पर जुटने लगे। नारेबाजी करते हुए घटना में शामिल जूनियर डॉक्टरों की गिरफ्तारी की मांग की। वकीलों ने कहा कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इसके बाद दोपहर में पुलिस ने एकलव्य चौराहे की चारों तरफ से बैरिकेडिंग कर दी। इससे शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई।

धरना–प्रदर्शन और जगह–जगह बैरिकेडिंग के कारण सिविल लाइंस क्षेत्र में चारों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जीएचएस, ऑटो सेल्स चौराहा, पत्थर गिरजाघर, हाईकोर्ट पानी की टंकी के पास जाम लग गया। सुभाष चौराहा, मेडिकल चौराहे, कानपुर–प्रयागराज मार्ग, धूमनगंज, सुलेमसराय में घंटों तक वाहन रेंगते रहे। वाहन चालकों ने वैकल्पिक मार्गों का सहारा लिया लेकिन वहां भी दबाव बढ़ा तो गलियां वाहनों से भर गईं। पुलिस घटना में शामिल अज्ञात जूनियर डॉक्टरों की पहचान करने में जुटी है। अस्पताल परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए हैं। वकीलों की ओर से उपलब्ध कराए गए और सोशल मीडिया में वायरल वीडियो को जांच का हिस्सा बनाया गया है। डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। एसआरएन अस्पताल परिसर और एकलव्य चौराहे के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारी लगातार प्रदर्शन स्थल और अस्पताल परिसर की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस की कोशिश है कि दोनों पक्षों के बीच तनाव और न बढ़े और कानून व्यवस्था बनी रहे।

इलाज के लिए भटकते रहे लोग, भर्ती मरीजों से नहीं मिल सके तीमारदार

प्रयागराज। हड़ताल समाप्त होने की घोषणा के बाद बृहस्पतिवार की सुबह मरीज आम दिनों की तरह एसआरएन अस्पताल पहुंचे लेकिन ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर खुलते ही जूनियर डॉक्टरों ने बंद करा दिया। इसके अलावा ट्रॉमा सेंटर में गंभीर मरीजों को लेने से मना कर दिया गया। प्रयागराज के अलावा जौनपुर, भदोही, मिर्जापुर, मछली शहर, चित्रकूट, बांदा, फतेहपुर, कौशाम्बी और प्रतापगढ़ सहित मध्य प्रदेश के रीवां जिले से इलाज कराने पहुंचे मरीज परेशान हो गए। इतना ही नहीं डॉक्टरों के साथ मौजूद अस्पताल के सुरक्षा कर्मियों ने पीएमएसएसवाई बिल्डिंग की ओपीडी से मरीजों को बाहर कर दिया। मरीज अपने सिर पर हाथ धर कर बैठ गए। उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करें। सुरक्षा कर्मियों ने वार्ड में भर्ती मरीजों के तीमारदारों को बाहर भी रोक दिया। ऐसे में कई तीमारदारों के हाथ में दवा का पैकेट, किसी के हाथ में खाना व नाश्ता का थैला था। काफी मिन्नतों के बाद भी तीमारदारों को मरीज से नहीं मिलने दिया गया।

पीने को मिला गर्म पानी

अस्पताल में आने वाले मरीजों को चौतरफा मार का सामना करना पड़ा। एक तरफ हड़ताल और दूसरी तरफ गर्मी उनकी अग्नि परीक्षा ले रही थी। वहीं, अस्पताल परिसर में पीने के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था भी नहीं थी। परिसर में लगी टोटियों से सिर्फ गर्म पानी ही मरीजों को पीने के लिए मिला।

अम्मा चल–फिर नहीं पाती हैं, सुबह से भूखी हैं, खाना देना है...

जौनपुर निवासी जडाउती देवी एक हफ्ते से पीएमएसएवाई बिल्डिंग के न्यूरोलॉजी विभाग में भर्ती हैं। सुबह जब नाती रितेश खाना लेकर अस्पताल पहुंचा तो सुरक्षाकर्मियों ने अंदर जाने से मना कर दिया। इस दौरान रितेश ने हाथ जोड़ते हुए कहा कि अम्मा भूखी हैं, दवा देना है, खाना लेकर आए हैं...अंदर जाने दो।

बोले परेशान तीमारदार

हमें पता ही नहीं था कि हड़ताल है। तबीयत ठीक नहीं लग रही है। पता होता तो पास ही कहीं दिखा लेते। इतनी भीषण गर्मी में यहां न आते। बैद्यनाथ, प्रतापगढ़

रीवां से आए हैं। डॉक्टर साहब हड़ताल पर हैं। ऐसे में वापस जाना–फिर किसी दिन आना। यह दिक्कत की बात है। हड़ताल नहीं होनी चाहिए। रीता कौल, रीवां, मध्य प्रदेश

शरीर में दर्द है। बड़ी मुश्किल से डॉक्टर साहब को दिखाने का मौका मिला। लेकिन यहां तो हड़ताल है। भीषण गर्मी में दोबारा आना पड़ेगा। शिव चंद्र यादव, गोपीगंज

सिर में दर्द है। गर्मी में इतनी दूर आना मुश्किल होता है। अब कह रहे हैं कि वापस जाओ हड़ताल है। लगता है जान ही निकल जाएगी। शकुंतला देवी, मिर्जापुर

पैथोलॉजी में नहीं हुईं जांचें

इसी बीच सुपर स्पेशलिस्ट इमारत की ओपीडी, रजिस्ट्रेशन काउंटर, स्ट्रेचर स्टैंड, एक्सरे, सिटी स्कैन की जांच व पैथोलॉजी से संबंधित सभी जांचें ठप रहीं। सुबह आठ बजे पुरानी इमारत का रजिस्ट्रेशन काउंटर बंद करा दिया गया। ट्रॉमा से गंभीर मरीजों को वापस लौटा दिया गया। वहीं, ओपीडी ब्लॉक में सीनियर कंसल्टेंट मौजूद रहे। करीब 11.30 बजे एसीएम फस्ट सत्यम मिश्रा ने राउंड के दौरान पुरानी बिल्डिंग के रजिस्ट्रेशन काउंटर को फिर से शुरू कराया। लेकिन तब तक कई मरीज वापस हो गए थे। ऐसे में कुल 303 मरीजों का ही पर्चा बन सका। इसके अलावा 11 मरीजों को भर्ती किया जा सका। बतादें कि एसआरएन अस्पताल की ओपीडी में औसतन 3500 मरीज रोज देखे जाते हैं।

एक शिफ्ट के बाद डायलिसिस बंद, लौटे किडनी के रोगी

प्रयागराज। हड़ताल के दौरान किडनी रोगियों को बिना डायलिसिस कराए वापस लौटना पड़ा। सुबह के समय नौ मरीजों का डायलिसिस हुआ। जिसके बाद नौ मरीजों को दूसरी शिफ्ट के लिए बुलाया गया था। लेकिन हड़ताल की वजह से दूसरी पाली की डायलिसिस को रोक दिया गया। किडनी रोगी निराश लौट गए। एसआरएन अस्पताल में प्रतिदिन करीब 45 किडनी रोगियों की डायलिसिस होती है। जबकि कई मरीजों को तीन से चार महीने तक स्लॉट खाली होने का इंतजार करना पड़ता है।

विवाद पर जूनियर डॉक्टर की सफाई

कल सुबह करीब साढ़े छह बजे पांच से छह लोग मरीज लेकर आए। अधिक भीड़ होने की वजह से उन्हें बाहर जाने के लिए कहा गया। वह बहस करने लगे। वीडियो बनाने लगे। विरोध करने पर महिला जूनियर डॉक्टर से मारपीट की। जिसके बाद कई अन्य लोग भी झगड़ा करने पहुंच गए। इस दौरान ट्रॉमा सेंटर का दरवाजा भी तोड़ दिया गया। ऐसे में जब तक क्रॉस एफआईआर नहीं दर्ज हो जाती और जेआर की सुरक्षा का भरोसा नहीं दिया जाता हड़ताल जारी रहेगी। –डॉ. आलोक गर्ग, जेआर

बात सीट की नहीं, जीत की है-अखिलेश

कांग्रेस को बड़ा संदेश, 403 सीटों समाजवादी टीम रेडी

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी से होकर ही दिल्ली की सत्ता की राह गुजरती है। इसलिए हर दल अथवा एलाइंस उत्तर प्रदेश पर फोकस करता है। एनडीए हो यूपीए अथवा कोई अकेली सियासी पार्टी अभी से सक्रिय हो गई हैं। 2027 में चुनाव भले ही विधानसभा का होगा लेकिन 2027 के नतीजे अगले लोकसभा चुनाव की दिशा तय करने वाले हैं। उत्तर प्रदेश में बीजेपी से अगर कोई असल में टक्कर ले रही तो वो समाजवादी पार्टी ही है। कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी हो या फिर कोई अन्य दल उत्तर प्रदेश में खास मुकाम हासिल नही है।कांग्रेस की समाजवादी पार्टी से सियासी यारी है और बकौल अखिलेश यादव आगे भी रहने वाली है। ये बात और है कि इधर कुछ कांग्रेसियों ने सुश्री मायावती के घर दस्तक देकर जबसे लौटे हैं तब से उत्तर प्रदेश के राजनीतिक हल्के में चर्चाओं का दौर चल पड़ा है। ऐसे में अखिलेश का ताजा बयान बड़ा मायने रखता है।यूपी की राजनीति में सीट शेयरिंग और गठबंधन की चर्चाएं तेज हैं।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने

सहयोगी दलों खासकर कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है।अखिलेश बोले, श्बात सीट की नहीं, जीत की हैश। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर तैयार है। आगामी चुनावों के लिए समाजवादी पार्टी ने राज्य की 403 विधानसभा सीटों पर कार्यकर्ताओं और संगठन को मजबूत कर लिया है।जो दल गठबंधन में साथ आएगा, वो सपा के मजबूत बूथ स्तर के संगठन का फायदा पायेगा। बयान ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं ने बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती से मुलाकात की कोशिश की। अखिलेश यादव ने पीडीए को बड़ा सामाजिक आंदोलन है, जिसमें देश की आबादी के 95 फीसदी वे लोग शामिल हैं, जो खुद को पीड़ित, दुखी या उपेक्षित महसूस करते हैं। आंदोलन वर्चस्ववाद भेदभाव के खिलाफ ष्नई आजादी का आंदोलनष् है, जिसका उद्देश्य संविधान और आरक्षण की रक्षा करना और सामाजिक न्याय स्थापित करना है।सियासी जानकार कहते हैं कि 403 सीटों पर संगठन की मजबूती की बात कह अखिलेश ने कांग्रेस को साफ संदेश देने की कोशिश की है कि यदि कांग्रेस किसी अलग राजनीतिक रणनीति पर काम करती है, तो समाजवादी पार्टी अपने दम पर चुनावी मैदान में उतरने से गुरेज नहीं करेगी।

भरते मधुर सुगन्ध

संरचना हैं फूल की, आपस के संबंध।
पंखुरियों के बीच में, भरते मधुर सुगन्ध।
भरते मधुर सुगन्ध, ज्ञान का सागर बनके।
सूफी सन्त समान, नहीं मौसम से डरते।
सुन लो कहें प्रदीप, आवरण अच्छा रखना।
कोमलता के साथ, सिखाती है संरचना।।

हँसते–हँसते फूल ने, दिया सभी को ज्ञान।
त्याग दिया जिसने अहं, मिली उसे पहचान।
मिली उसे पहचान,इसी को कह संसारी।
गुण को रहे बखान, साधु हो या व्यापारी।
सुन लो कहें प्रदीप,बात यह करते–करते।
हर मौसम में पुष्प, खिले हैं हँसते–हँसते ।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ महामंत्री रूपम पाण्डेय के निर्देशन में चलाया जा रहा पंद्रह दिवसीय पखवाड़ा

प्रयागराज। आज दिनांक 22 मई को भारतीय मजदूर संघ एवं भारतीय रेलवे मजदूर संघ के आव्हान पर उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ के महामंत्री श्री रूपम पांडे के निर्देश पर 15 दिवसीय (15 मई 26 से 29 मई 26) तक पखवाड़ा चलाया जा रहा है इसी के अंतर्गत प्रयागराज, क्क्न,टूंडला, कानपुर, मानिकपुर, मिर्जापुर, चुनार एवं अलीगढ़ से सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया, जिसमें डीआरएम ऑफिस के सभी तलों एवं विभागों में कर्मचारियों द्वारा झंडा एवं नारों के साथ प्रदर्शन किया गया तत्पश्चात श्रीमान रूपम पांडे महामंत्री द्वारा मंडल रेल प्रबंधक महोदय को ज्ञापन सोपा गया उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित श्री श्याम जी शुक्ला मंडल प्रभारी, अमिताभ बच्चन /मंडल कार्यकारिणी अध्यक्ष, सत्यम गुप्ता/ संयुक्त मंडल मंत्री, संतोष शर्मा/ कार्यक्रम संयोजक शाखा मंत्री अजय मिश्रा, सनत तिवारी, रवि रतन, अनुज सिंह, फूलचंद, आलोक कश्यप, ज्ञानेंद्र यादव, ललित मिश्रा, मनीष मिश्रा, सुशील ओझा, आरके वाजपेई, राकेश शुक्ला, अभिनव झा, एस के वर्मा, शंकर गोस्वामी ऋषि सिंह, दिलीप कुमार आदि के साथ मॉडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सैकड़ो की संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ ने रेलवे ट्रैक सुरक्षा के निर्माण कार्यो पर हर्ष व्यक्त किया

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के पुराने आश्रम के सामने के रेल पटरियों के दोनों ओर रेल विभाग द्वारा सार्वजनिक सुरक्षा और भक्तों की समस्याओं की पहचान करते हुए सुरक्षात्मक दीवार का निर्माण करने पर पीठ ने हर्ष व्यक्त किया।

ज्ञातव्य है कि श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के

पुराने आश्रम के सामने के रेल पटरियों को पार करते समय श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को अक्सर दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता था। इसे रोकने के लिए, पीठ की केंद्रीय कार्य समिति ने दक्षिण मध्य रेलवे मंडल के रेल प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) से सुरक्षात्मक उपायों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया, उनके अनुरोध के बाद, रेल विभाग ने सार्वजनिक सुरक्षा और भक्तों की समस्याओं की पहचान की और तुरंत एक सुरक्षात्मक दीवार का निर्माण शुरू कर दिया और यह काम जारी है।

पीठ केंद्रीय समिति, भक्तों और स्थानीय लोगों ने रेलवे अधिकारियों को धन्यवाद दिया और सार्वजनिक सुरक्षा के मद्देनजर काम शुरू करने और पूरा करने के लिए रेलवे अधिकारियों की तत्काल प्रतिक्रिया पर हर्ष व्यक्त की।

प्रकृति की विविधता जीवन की असली संपदा : केशव

विश्व जैव विविधता दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विश्व जैव विविधता दिवस पर प्रदेशवासियों एवं प्रकृति प्रेमियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकृति की विविधता ही जीवन की असली संपदा है। जैव विविधता केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, कृषि, जल, वन्य जीवों और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है। श्री मौर्य ने कहा कि पृथ्वी पर मौजूद जीव–जंतु, वनस्पतियां, जल स्रोत एवं प्राकृतिक संसाधन मानव सभ्यता को संतुलित और समृद्ध बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि जैव विविधता सुरक्षित रहेगी तो पर्यावरणीय संतुलन भी बना रहेगा तथा मानव जीवन स्वस्थ एवं सुरक्षित रहेगा। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण जैव विविधता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है, जिससे दुनिया चिंतित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के लिए जनकल्याणकारी अभियान संचालित किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को प्राथमिकता देते हुए वृक्षारोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता अभियान चला रही है।डिप्टी सीएम ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे प्रकृति संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे अपनी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए जन आंदोलन का रूप दें। प्रत्येक व्यक्ति यदि एक पेड़ लगाने, जल संरक्षण करने और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति संवेदनशील बनने का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। विश्व जैव विविधता दिवस हमें यह संदेश देता है कि प्रकृति और मानव जीवन एक–दूसरे के पूरक हैं।

रिजल्ट न आने से नाराज होम्योपैथिक फार्मासिस्ट अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भर्ती 2024 का परिणाम जारी न होने से नाराज अभ्यर्थियों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। शुक्रवार सुबह 9 बजे बड़ी संख्या में अभ्यर्थी गोमतीनगर स्थित पिकअप भवन में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) कार्यालय का घेराव किया। अंतिम परिणाम जल्द घोषित करने की मांग उठाई। अभ्यर्थियों का कहना है कि 8 महीने से वे अनिश्चितता और मानसिक दबाव में जी रहे हैं। अभ्यर्थियों के मुताबिक, इस भर्ती प्रक्रिया के तहत डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (डीवी) करीब 8 महीने पहले ही पूरा हो चुका है। अब तक अंतिम चयन सूची जारी नहीं की गई है। उनका कहना है कि सामान्य प्रक्रिया में इतना लंबा समय लगना असामान्य है और इससे आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने कहा कि रिजल्ट में देरी ने उन्हें सफलता और असफलता के बीच लटका दिया है। लगातार इंतजार के कारण मानसिक तनाव, अवसाद और असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। कई अभ्यर्थियों ने बताया कि वे न तो अन्य विकल्प चुन पा रहे हैं और न ही आगे की योजना बना पा रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि लंबे समय से परिणाम न आने के कारण उन पर आर्थिक और पारिवारिक दबाव भी बढ़ता जा रहा है। खासकर ग्रामीण और कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले उम्मीदवारों के लिए यह स्थिति और भी कठिन होती जा रही है। परिवार और समाज के सवालों के बीच वे लगातार दबाव झेल रहे हैं। अभ्यर्थियों ने सरकार की 'मिशन रोजगार' नीति का हवाला देते हुए आयोग से अपील की है कि युवाओं के भविष्य को देखते हुए इस भर्ती को प्राथमिकता पर लिया जाए और जल्द से जल्द अंतिम परिणाम घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक परीक्षा का रिजल्ट नहीं, बल्कि सैकड़ों युवाओं के करियर और जीवन का सवाल है। अभ्यर्थियों ने साफ संकेत दिया है कि यदि जल्द परिणाम जारी नहीं किया गया तो उनका आंदोलन और तेज होगा। फिलहाल उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखी है, लेकिन लंबा इंतजार अब उनके लिए असहनीय होता जा रहा है।

बाहुबलियों को कैसे मिले शस्त्र लाइसेंस ?

राजा भैया, बृजभूषण, धनंजय समेत हाईकोर्ट ने 19 बाहुबलियों पर मांगी रिपोर्ट दस लाख से ज्यादा जारी हुए लाइसेंस

लखनऊ (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश में शस्त्र लाइसेंसों के दुरुपयोग, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को लाइसेंस जारी किए जाने और हथियारों के सार्वजनिक प्रदर्शन पर कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य सरकार तथा जिलों के पुलिस–प्रशासनिक अधिकारियों से विस्तृत जवाब तलब किया है। कोर्ट ने रघुराज प्रताप सिंह राजा भैय्या, धनंजय सिंह, बृजभूषण शरण सिंह जैसे 19 प्रभावशाली लोगों के शस्त्र लाइसेंस की जानकारी भी तलब की है। सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने कहा कि हथियारों का सार्वजनिक प्रदर्शन समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण पैदा करता है तथा यह कानून के शासन और सामाजिक शांति के विपरीत है।अदालत ने कहा कि गृह विभाग के संयुक्त सचिव द्वारा 20 मई को दाखिल हलफनामे से स्पष्ट हुआ है कि प्रदेश के सभी 75 जिलों के डीएम, पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक समय–समय पर जारी सरकारी आदेशों तथा आर्म्स एक्ट, 1959 एवं उसके नियमों का सही ढंग से पालन नहीं कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि 23 मार्च के आदेश मेंलाइसेंस जारी करने, नवीनीकरण और हस्तांतरण के मामलों में अधिकारियों को स्पष्ट दिशा–निर्देश दिए गए थे।कोर्ट के समक्ष रखे गए आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब तक 10,08,953 शस्त्र लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। विभिन्न श्रेणियों में 23,407 आवेदन लंबित हैं, जबकि डीएम के आदेशों के खिलाफ 1,738 अपीलें मंडलायुक्तों के समक्ष लंबित हैं। 20,960 परिवारों के पास एक से अधिक शस्त्र लाइसेंस हैं तथा 6,062 मामलों में ऐसे लोगों को लाइसेंस दिए गए हैं जिनके खिलाफ दो या अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लाइसेंस धारकों का जिला, थाना और नामवार विवरण प्रस्तुत किया जाए और बताया जाए कि ऐसे लोगों के परिवार के अन्य सदस्यों के पास भी हथियार लाइसेंस हैं या नहीं। अदालत ने कहा कि सुशासन और कानून के शासन के लिए प्रशासनिक कार्यवाही में निष्पक्षता और गैर–भेदभाव अनिवार्य है।कोर्ट ने कहा कि स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों, जो व्यापक सामाजिक एवं राजनीतिक प्रभाव रखते हैं, के संबंध में विवरण उपलब्ध नहीं कराया है। ऐसे व्यक्तियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां छिपाई गई हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि हथियारों का खुला प्रदर्शन प्रभुत्व और ताकत का भ्रम पैदा करता है, लेकिन इससे आम लोगों में भय और असुरक्षा की भावना बढ़ती है। अदालत ने टिप्पणी की कि आत्मरक्षा के नाम पर हथियारों का प्रदर्शन सार्वजनिक स्थलों को डर और दबदबे के वातावरण में बदल देता है, जो शांतिपूर्ण समाज के लिए उचित नहीं है।कोर्ट ने आदेश की प्रति प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह, जिलाधिकारियों तथा पुलिस आयुक्तों और एसएसपी को भेजने का निर्देश दिया है। अधिकारियों को व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल कर बताने को कहा गया है कि उन्होंने कोर्ट से कोई महत्वपूर्ण जानकारी नहीं छिपाई है।मामले की अगली सुनवाई 26 मई 2026 को होगी।कोर्ट ने रघुराज प्रताप सिंह राजा भैय्या, धनंजय सिंह, सुशील सिंह, बृजभूषण सिंह, विनीत सिंह, अजय मरहद, सुजीत सिंह बेलवा, उपेन्द्र सिंह गुड्डूपप्पू भौकाली, इन्द्रदेव सिंह, सुनील यादव, फरार अजीम, बादशाह सिंह, संग्राम सिंह, सुल्लू सिंह, चुलबुल सिंह, सनी सिंह, छुन्नू सिंह, तथा डॉ. उदय भान सिंह के बारे में जानकारी देने के लिए कहा है। अदालत ने कहा कि संबंधित अधिकारी इनके सही पते, आपराधिक मामलों, हथियार लाइसेंस, सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी पूरी जानकारी उपलब्ध कराएं।

उत्तर मध्य रेलवे

Letter No.: 220-E/Engag/HVS/2022 — दिनांक : 20.05.2026

नोटिस

अवैतनिक विजिटिंग विशेषज्ञों की नियुक्ति

केन्द्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में ऑनरेरी विजिटिंग स्पेशलिस्ट (HVS) के दो (02) पदों-एक (01) पर Gynecologist एवं एक (01) Dermatologist पद पर कार्य करने हेतु योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

अतः इच्छुक उम्मीदवार अपने आवेदन "ENGAGEMENT OF HVS" अभिलिखित बंद लिफाफे में निर्धारित प्रारूप तथा प्रमाण पत्रों की प्रतिलिपि के साथ रजिस्टर्ड डाक से चिकित्सा निदेशक, केन्द्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज को विज्ञापन प्रकाशित होने के (पन्द्रह) 15 दिन के अंदर तक कर सकते हैं। संबंधित पदों हेतु नियम एवं पात्रता संबंधी समस्त विवरण उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर तथा चिकित्सा निदेशक, केन्द्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज के कार्यालय में उपलब्ध है। निम्नलिखित दो (02) HVS को अवैतनिक के आधार पर नियुक्ति प्रस्तावित है:-

रेलवे बोर्ड पत्र संख्या 2014/H-1/12/8/HVS/Policy/E दिनांक 22.10.2025 के अनुसार मानदेय का संशोधन निम्नलिखित है:-

Name	Visiting Hours	Honorarium (PM)
Gynecologist	02 Hours/06 days	₹ 67,000/-
Dermatologist	02 Hours/04 days	₹ 41,000/-

1154/26 (MG) — एसीएचडी/ए & जी

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या: 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/637 — दिनांक: 20.05.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-1026-2026 | अनुमानित लागत: ₹ 91,21,710.04

कार्य का विवरण: उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के अंतर्गत टीआरडी विभाग द्वारा दो वर्षों के लिए अल्ट्राटेक सीमेंट साइडिंग, बारा के ओवर हेड इक्विपमेंट (ओ.एच.ई.) के रखरखाव का कार्य।

बिड सुरक्षा राशि: ₹ 1,82,400.00 | कार्य अवधि: 24 महीना | बोली प्रणाली: एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 12.06.2026, 14.00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 12.06.2026, 15.00 बजे

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1145/26 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

No.: CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2025 — Dated: 20.05.2026

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित ई-नीलामी बोलियां आमंत्रित की गयी हैं।

वाणिज्य विज्ञापन अनुमान द्वारा आमंत्रित ई-नीलामी

क्रम संख्या : 1 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: NFR-MobileKiosk
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: मोबाइल और एक्सेसरीज़ कियोस्क और अन्य उपयोगी चीज़ों की स्थापना, संचालन और प्रबंधन के लिए ई-नीलामी: 01 कियोस्क मानिकपुर 01 कियोस्क फतेहपुर, 01 कियोस्क सिराथू, 01 कियोस्क मिर्ज़ापुर और 01 कियोस्क इटावा रेलवे स्टेशन पर 05 साल की अवधि के लिए।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 25.05.2026 at 11:00 hrs.

क्रम संख्या : 2 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: ADVT-EFF-12033
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: कानपुर-नई दिल्ली शताब्दी ट्रेन (12033/34) की पूरी बाहरी सतह पर (खिड़कियों को छोड़कर) विनाइल रैपिंग के जरिए विज्ञापन और कोच के अंदर जरूरी साइनेज लगाना।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 25.05.2026 at 11:00 hrs.

क्रम संख्या : 3 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: NFR-MSS-TDL-EV
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: टूंडला रेलवे स्टेशन पर पार्किंग एरिया के पास, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए ई-नीलामी। पाँच (5) साल की अवधि के लिए, जैसा कि साथ में दिए गए संयुक्त रूप से पहचाने गए साइट प्लान और चिह्नित क्षेत्र में दर्शाया गया है।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 28.05.2026 at 10:30 hrs.

क्रम संख्या : 4 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: ATM 21STNs-2026
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: रूरा, दनकौर, चौरा, टूंडला, वैर, शंकरगढ़, मिर्ज़ापुर, हमीरा, अछल्दा, सिराथू, मैनपुरी, खागा, भरथना, फिरोज़ाबाद, खुर्जा, भोगांव, सोनभद्र, भरवारी, शिकोहाबाद, झींझक और फफूंद रेलवे स्टेशनों पर ऑटोमेटेड टेलर मशीन (ATM) की स्थापना और संचालन: पाँच साल की अवधि के लिए और अधिकतम 6x6 फीट के क्षेत्र में।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 28.05.2026 at 12:00 hrs.

क्रम संख्या : 5 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-FOODVAN-CNB
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज मंडल के अंतर्गत, कानपुर रेलवे स्टेशन के सिटी साइड (स्टेशन भवन के सामने) पर फूड वैन (यात्रियों को 24x7 सेवा प्रदान करने वाली) की स्थापना, संचालन और रखरखाव: पाँच साल की अवधि के लिए। अनुबंध मिलने के बाद, सफल बोली लगाने वाला फूड वैन की संख्या/आकार का निर्णय करेगा: यह निर्णय व्यावहारिकता, यात्रियों की मांग और साइट की उपयुक्तता पर आधारित होगा और इसके लिए रेलवे प्रशासन (यानी, Sr. DCM/PRYJ) की मंजूरी जरूरी होगी। चिह्नित क्षेत्र का कब्ज़ा लेने के बाद, यह सारा काम बोली लगाने वाला अपने खर्च पर करेगा।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 29.05.2026 at 11:00 hrs.

क्रम संख्या : 6 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: ACWR-03STNs-26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज मंडल के प्रयागराज छिवकी (PCOI) स्टेशन पर AC वेटिंग रूम के उन्नयन, रखरखाव और संचालन (स्टाफिंग) के काम के लिए ई-नीलामी: 05 साल की अवधि के लिए।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 29.05.2026 at 12:00 hrs.

क्रम संख्या : 7 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: ACWR-03STNs-26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज मंडल के गोविंदपुरी (GOY) स्टेशन पर वेटिंग रूम के उन्नयन, रखरखाव और संचालन (स्टाफिंग) के काम के लिए ई-नीलामी।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 29.05.2026 at 12:00 hrs.

क्रम संख्या : 8 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: ACWR-03STNs-26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज मंडल के सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन (सुलेम सराय की ओर/दूसरा प्रवेश द्वार) पर आधुनिक सुविधाओं, जैसे बहुउद्देशीय स्टॉल और पर्यटक कियोस्क से सुसज्जित AC प्रतीक्षालय के संचालन, साफ-सफाई और रखरखाव के कार्य के लिए ई-नीलामी।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 29.05.2026 at 12:00 hrs.

क्रम संख्या : 9 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-EV-05STN-26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: मानिकपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे की ज़मीन पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए पाँच (5) वर्षों की अवधि हेतु ई-नीलामी: यह संलग्न, संयुक्त रूप से पहचाने गए साइट प्लान और चिह्नित क्षेत्र के अनुसार होगी।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 04.06.2026 at 12:00 hrs.

क्रम संख्या : 10 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-EV-05STN-26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: चुनार रेलवे स्टेशन पर रेलवे की ज़मीन पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए पाँच (5) वर्षों की अवधि हेतु ई-नीलामी: यह संलग्न, संयुक्त रूप से पहचाने गए साइट प्लान और चिह्नित क्षेत्र के अनुसार होगी।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 04.06.2026 at 12:00 hrs.

क्रम संख्या : 11 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-EV-05STN-26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: नैनी रेलवे स्टेशन (जेल रोड, प्रयागराज की ओर) पर रेलवे की ज़मीन पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए पाँच (5) वर्षों की अवधि हेतु ई-नीलामी, यह संलग्न, संयुक्त रूप से पहचाने गए साइट प्लान और चिह्नित क्षेत्र के अनुसार होगी।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 04.06.2026 at 12:00 hrs.

क्रम संख्या : 12 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-EV-05STN-26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: मिर्ज़ापुर रेलवे स्टेशन (दूसरे प्रवेश द्वार की ओर) पर रेलवे की ज़मीन पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए पाँच (5) वर्षों की अवधि हेतु ई-नीलामी, यह संलग्न, संयुक्त रूप से पहचाने गए साइट प्लान और चिह्नित क्षेत्र के अनुसार होगी।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 04.06.2026 at 12:00 hrs.

क्रम संख्या : 13 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-EV-05STN-26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन (RTO कार्यालय के पास) पर रेलवे की ज़मीन पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए पाँच (5) वर्षों की अवधि हेतु ई-नीलामी: यह संलग्न, संयुक्त रूप से पहचाने गए साइट प्लान और चिह्नित क्षेत्र के अनुसार होगी।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 04.06.2026 at 12:00 hrs.

पार्किंग

क्रम संख्या : 1 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या : PRKNG-TDL-MX-26
प्रचार का विवरण: टूण्डला जंक्शन रेलवे स्टेशन पर 05 वर्षों के लिए दो पहिया, तीन पहिया और चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड उपलब्ध है।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 28.05.2026 at 10:00 hrs.

क्रम संख्या : 2 — ई-आक्शन कैटलाग संख्या : PRKG-FZD-MX-26
प्रचार का विवरण: फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन पर दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैण्ड 03 वर्षों के लिए उपलब्ध है।
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय : 30.05.2026 at 11:00 hrs.

नोट:- इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 1161/26 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

बीमार अस्पताल

गाल बजाते राजनेता और लोक कल्याणकारी होने का दावा करती सरकारों की नाक के नीचे सरकारी अस्पतालों की कैसी बदहाली है, ये किसी से नहीं छिपा है। लोकलुभावन कार्यक्रमों पर पैसा पानी की तरह बहाने वाली सरकारों व मंत्रियों की प्राथमिकताओं में, वे सरकारी अस्पताल कभी नहीं रहे हैं, जो गरीबों व साधनविहीन लोगों का अंतिम आश्रय होते हैं। कायदे से तो सरकारों को इस मुद्दे को प्राथमिकता मानते हुए तत्काल प्रभाव से अस्पतालों की दशा सुधारनी चाहिए। लेकिन विडंबना है कि हर बार न्यायालय को ही जनहित से जुड़े मुद्दों पर सख्ती दिखाकर सरकारों को कार्रवाई करने को कहा जाता है। एक बार फिर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश से पंजाब तथा हरियाणा सरकारों की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के संचालकों को एक बेहद जरूरी झटका लगा है। हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं के साथ–साथ सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निश्चित रूप से न्यायालय के इस तरह के सकारात्मक हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सत्ताधीशों के वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच बढ़घ्ती खाई ही उजागर होती है। वहीं अदालत की कार्यवाही के दौरान पंजाब सरकार की ओर से न्यायालय को सूचित किया गया कि राज्य के 23 जिलों में से केवल छह जिला अस्पतालों में ही एमआरआई की सुविधा उपलब्ध है। दूसरी ओर राज्य के अस्पतालों में दो हजार से अधिक जनरल मेडिकल ऑफिसरों के पद और अन्य सैकड़ों विशेषज्ञों के पद खाली पड़े हुए हैं। वहीं कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में कार्यशील आईसीयू की कमी है। अदालत ने हरियाणा सरकार से भी गहन देखभाल व निदान सुविधाओं की कमियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। निस्संदेह, इन खामियों से फिर उजागर हुआ है कि अनेक सरकारी अस्पतालों में महंगे चिकित्सा उपकरण अक्सर बिना इस्तेमाल के या कम उपयोग में क्यों रहते हैं। वहीं दूसरी ओर विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा भी गरीब व जरूरतमंद मरीजों की तात्कालिक जरूरतों को अनदेखा ही किया जाता है। न्यायालय की इस बात से बिल्कुल सहमत हुआ जा सकता है कि मौजूदा दौर में सीटी स्कैन,एमआरआई और आईसीयू तक मरीजों की पहुंच विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता बन गई है। जो इस बात पर भी बल देता है कि सरकारें जिला स्तरीय क्रियाशील बुनियादी ढांचा बनाने के बजाय अनिश्चित काल तक आउटसोर्सिंग या रेफरल प्रणालियों पर निर्भर नहीं रह सकती हैं। वास्तव में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली केवल खरीद की कमी से ही नहीं, बल्कि बिना योजना के भारी–भरकम खरीद की प्रवृत्ति से भी ग्रस्त है। वहीं दूसरी ओर अकसर तकनीशियनों की अनुपलब्धता से एमआरआई मशीनें स्थापित नहीं हो पाती हैं। वहीं अनुबंध समाप्त होने के कारण अक्सर वेंटिलेटर धूल खाते रहते हैं। दूसरी तरफ रेडियोलॉजिस्ट और बायोमेडिकल इंजीनियरों की अनुपस्थिति के कारण निदान सेवाओं को आउटसोर्स किया जाता है। बार–बार की गई ऑडिट रिपोर्टों से पता चलता है कि सरकारी अस्पतालों में करोड़ों रुपये के जीवन रक्षक उपकरण महीनों से लेकर वर्षों तक बेकार ही पड़े रहते हैं। जिसका खमियाजा जरूरतमंद मरीजों को उठाना पड़ता है। किसी भी अस्पताल में एक खराब सीटी स्कैनर की वजह से दुर्घटना पीड़ितों, कैंसर के मरीजों और हृदयाघात के रोगियों के उपचार में देरी होती है। दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों का हर एक खाली पद कमजोर वर्ग के लोगों को महंगे निजी अस्पतालों में उपचार के लिये धकेल देता है। यह विडंबना ही है कि दूर–दराज के ग्रामीण इलाकों के मरीज अक्सर लंबी दूरी तय करके सरकारी अस्पतालों तक पहुंचते हैं। अक्सर देखा जाता है कि उन्हें या तो मशीनें काम न करने वाली मिलती हैं या चलाने वाले कर्मचारी नहीं मिलते। निर्विवाद रूप से केवल मशीनें लगाने से ही मरीजों की समस्या का समाधान नहीं हो जाता। सही मायनों में सरकारी अस्पतालों में उपकरणों की उपलब्धता के साथ ही डॉक्टरों, तकनीशियनों आदि की जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी ही चाहिए। वास्तव में किसी भी स्वास्थ्य सेवा का मूल्यांकन खरीदी गई महंगी मशीनों से नहीं, बल्कि सही समय पर उपचार का लाभ पाने वाले मरीजों की संख्या से होता है।

घरेलू तेल खपत को कम करने का समय आ गया

नन्तू बनर्जी

दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद खुदरा तेल की खपत के तरीके पर रोक लगाने में भारत की लगातार हिचकिचाहट, अगर मंजूर नहीं है, तो समझ से बाहर है। सरकार, जो खुदरा तेल की कीमतों का करीब 50 प्रतिशत कर लगाकर सबसे अधिक लाभ उठाती है, ईंधन की खपत को कम करने के लिए तैयार नहीं है, जबकि देश लगभग 90 प्रतिशत कच्चे तेल के आयात पर निर्भर है। पिछले शुक्रवार को, भारत के सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने चार साल में पहली बार पेट्रोल और डीजल की कीमतें तीन रुपये प्रति लीटर से थोड़ी ज़्यादा बढ़ा दीं ताकि दुनिया भर में कच्चे तेल की ज़्यादा कीमतों के कारण तेल मार्केटिंग कंपनियों को हुए कुछ नुकसान की भरपाई की जा सके। ईरान पर अमेरिकी–इजरायली हमलों से शुरू हुए युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए शिपिंग में रुकावट के बाद खुदरा ईंधन की कीमतें बढ़ाने वाली यह आखिरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ज़्यादातर देशों ने पहले ही घरेलू तेल की कीमतें बढ़ा दी हैं। दूसरों ने खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय ईंधन सब्सिडी को समायोजित किया है। ईरान–अमेरिका युद्ध के बाद दुनिया भर के देशोंकृखासकर दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाकृ को आपूर्ति में भारी रुकावट और आसमान छूती कीमतों की वजह से घरेलू तेल की खपत को नियंत्रित करने और राशन करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। छोटे से देश श्रीलंका की सरकार ने नेशनल फ्यूल पास क्यूआई सिस्टम के जरिए सख्त ईंधन राशनिंग लागू की है, जिससे हर गाड़ी में पेट्रोल की मात्रा सीमित हो गई है, और आने–जाने में कमी लाने के लिए बुधवार को सार्वजनिक छुट्टी घोषित कर दिया है। ईंधन का इस्तेमाल कम करने के लिए, पाकिस्तान ने हफ्ते में चार दिन काम करने की व्यवस्था की है, दो हफ्ते के लिए स्कूल बंद कर दिए हैं, और सरकारी गाड़ियों के लिए ईंधन भत्ता में 50 प्रतिशत की कमी जरूरी कर दी है। इंडोनेशिया ने सब्सिडी वाले ईंधन की बिक्री पर सख्त सीमा लागू की है और बढ़ती ऊर्जा कीमतों का मुकाबला करने के लिए असैन्य सेवा में लगे लोगों के लिए वर्क–फ्रॉम–होम नीति जरूरी कर दी है। मिस्र ने सभी सरकारी गाड़ियों के लिए ईंधन आवंटन में 30 प्रतिशत की कटौती की है। इसने बड़े पैमाने के सार्वजनिक परियोजनाओं को भी धीमा कर दिया है जिनमें ज़्यादा मात्रा में ईंधन की खपत होती है। वियतनाम सरकार ने शुद्ध खनिज तेल पर घरेलू निर्भरता कम करने के लिए इथेनॉल युक्त तेल की ओर बदलाव का आदेश दिया। जिन देशों में खुदरा खनिज तेल की कीमतों में बहुत ज़्यादा बढ़ोतरी देखी गई, उनमें म्यांमार (101 प्रतिशत), कंबोडिया (68 प्रतिशत), फिलीपींस (54.2 प्रतिशत), वियतनाम (50 प्रतिशत से ज़्यादा), और पाकिस्तान (42 प्रतिशत) शामिल हैं। तुलना में पेट्रोल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी यूनाइटेड स्टेट्स में देखी गई, जहां पेट्रोल पंप की कीमतें ऑस्ट्रेलिया (29 प्रतिशत), कनाडा (28 प्रतिशत), और यूके (20 प्रतिशत) के मुकाबले लगभग 36 प्रतिशत बढ़ीं। डीजल ड्राइवरों को यूरोपियन ऊर्जा संकट का सबसे ज़्यादा खामियाजा भुगतना पड़ा, जहां औसत पंप कीमतों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जहां स्पेन ने यूरोपीय यूनियन में डीजल की कीमतों में सबसे ज़्यादा 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, वहीं जर्मनी में ईंधन की लागत लगभग 19 प्रतिशत बढ़ गई। चीन में, सरकारी नियंत्रण और रिफाइनरी समायोजन से कीमतों में बढ़ोतरी लगभग 28 प्रतिशत पर सीमित थी। भारत में, जहां केन्द्रीय और राज्य करों की वजह से तेल की कीमतें पहले से ही बहुत ज़्यादा हैं, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 3.2 प्रतिशत से 3.4 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी की है। सऊदी अरब ने सीधा सरकारी सब्सिडी ढांचे की वजह से बिना किसी बढ़ोतरी के खुदरा कीमतें स्थिर रखीं। जबकि ज़्यादातर बड़े तेल आयातक देशों ने आम जनता के लिए खनिज तेल का इस्तेमाल सीमित कर दिया है, भारत, जो चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश है, ने कुछ अनजान कारणों से कोई सीमा या रोक नहीं लगायी है। भारत के पास केवल लगभग 4.6 से 4.9अरब बैरल कच्चा तेल भंडार है। यह अपनी जरूरतों का 85 प्रतिशत से ज़्यादा आयात करता है और आपातकालीन आपूर्ति सुरक्षा के लिए भी भंडार सुरक्षित रखता है। चीन और अमेरिका द्वारा तेल आयात का मकसद मूल रूप से अपने बड़े आन्तरिक तेल भंडार की सुरक्षा करना है। अमेरिका के पास लगभग 83 अरब बैरल कच्चा तेल भंडार है। चीन के रिजर्व का अनुमान 28अरब बैरल से ज़्यादा है। इस हिसाब से चीन दुनिया भर में 13वें नंबर पर है और दुनिया के कुल तेल भंडार का लगभग 1.6 प्रतिशत हिस्सा इसके पास है। चीन और अमेरिका दुनिया भर में कच्चे तेल की मांग के मुख्य ड्राइवर हैं, हालांकि उनकी आयात जरूरतें अलग–अलग आर्थिक और घरेलू उत्पादन कारकों से तय होती हैं। चीन, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एक मुख्य मैन्युफैक्चरिंग हब है, को औद्योगिक उत्पादन और बढ़ती घरेलू खपत को बनाए रखने के लिए बहुत ज़्यादा ऊर्जा आपूर्ति की जरूरत है। यह नियमित तौर पर हर दिन 110 लाख बैरल से ज़्यादा आयात करता है। भारत अपने तेजी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगिक विकास और बड़े परिवहन नेटवर्क के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अपनी तेल की लगभग 85 प्रतिशत मांग आयात से पूरी करता है।जबकि कई एशियाई देशों में, चाहे उनके पास घरेलू पेट्रोलियम भंडार और उत्पादन हों या नहीं, तेल की खपत कम करने के लिए कई तरह की पाबंदियां हैं, परन्तु भारत सरकार सिर्फ लोगों की स्वेच्छा से ईंधन बचाने को बढ़ावा देती है। अब सरकार सार्वजनिक अपीलों के माध्यम से नागरिकों द्वारा तेल की खपत को कम करने के लिए खर्च में कटौती और ऊर्जा बचाने के उपायों पर विचार कर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू–राजनीतिक संघर्षों और वैश्विक कीमतों में उछाल के कारण, इन स्वैच्छिक और आधिकारिक कटौतियों का उद्देश्य विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा करना और राष्ट्रीय व्यापार घाटे को कम करना है। सरकारी मंत्रालयों और विभागों को अनावश्यक ईंधन की खपत को सीमित करने और अधिकारियों की विदेश यात्रा को कम करने के तत्काल तरीकों की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार नागरिकों से श्वर्क–फ्रॉम–होमश मॉडल को फिर से अपनाने, कारपूलिंग में भाग लेने, सार्वजनिक परिवहन पर अपनी निर्भरता बढ़ाने और अधिक वर्चुअल बैठकें करने का आग्रह कर रही है। इसने राज्य सरकारों के लिए सलाह जारी की है कि वे ऊर्जा दक्षता और संचालन को बेहतर बनाने के लिए बिजली संयंत्रों में औद्योगिक बॉयलर प्रमाणपत्रों के अस्थायी विस्तार को लागू करें। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय रिजर्व बैंक तेल की खपत को कम करने की आवश्यकता का सक्रिय

भयहरणनाथ धाम–समाज के विकास व प्रकाश का केंद्र

पाण्डवों ने अपने आत्मविश्वास को पुनर्जागृत करने हेतु भयहरणनाथ महादेव का किया था पूजन

–विवाद नहीं, संतुलित विकास – आत्मिक व भौतिक–

'लेखक' समाज शेखर'

–राम की हो या रावण की पीर हरी सबके मन की–

–भूतभावन बाबा भयहरण नाथ–

'राजनीति में जो अर्थ शदिल्ली चलोश का है वही अर्थ अध्यात्म में श्भयहरण नाथ धाम चलोश का है।' अधिकारों से वंचित, हारे–थके पाण्डवों ने जिनकी पूजा–अर्चना कर असीम यश एवं शक्ति को प्राप्त किया तथा श्महाभारतश के दिग्विजयी कहलाए वही महाकाल समस्त संसार का ताप हरण करने हेतु श्भयहरणनाथ धामश के रूप में विराजमान है। भगवान शंकर ही ऐसे देवता है जिन्हें धर्म के क्षेत्र में समाज एवं धरती की पीड़ा हरने का सार्वभौमिक श्रेय प्राप्त है। इन्होंने कभी भेदभाव, अथवा छल प्रपंच का सहारा नहीं लिया। इसीलिए तैतीस कोटि देवताओं में इनकी श्छविश सर्वाधिक लोकप्रिय हुई। कहा गया है कि दृ श्राम की हो या रावण की, पीर हरी सबके मन कीष्।

भगवान भोलेनाथ की श्जीवन शैलीश ब्रह्म जीवन शैली के रूप में प्रचलित है। कैलाश का वास, चिंताभस्म का लेप, मृगछाल का उत्तरीय, बसहा का वाहन, अस्त्र के रूप में त्रिशूल, गले में सर्प माला, जटाजूट से प्रवाहित निर्मल गंगा, माथे पर चन्द्रमा की शीतलता तथा कण्ठ पर गरल की कालकूट विभीषिका। परम सीमित संसाधनों में सर्वोच्च मानक की जीवन शैली। जिसने संसार को श्सबकुछ दियाश वह सबकुछ जो संसार के लिए उपयोगी था और लिया वह सबकुछ जो संसार के लिए अति घातक एवं कष्टकारी था। संसार के समस्त दुखो, कष्टों एवं अवगुणों को लेकर सारे गुणों, सुखो एवं परमानंद को सहजभाव से प्रदान करने की सामर्थ्य सिर्फ भगवान शिव में ही है।

'भयहरण नाथ धाम परिचय – पांडव काल से 2026 तक'

प्रसिद्ध पांडव कालीन धार्मिक, ऐतिहासिक व आध्यात्मिक स्थल भयहरणनाथ धाम जनपद प्रतापगढ़ में मुख्यालय के दक्षिण लगभग 30 किमी० तथा प्रयागराज के उत्तर लगभग 36 किमी० पर कटरा गुलाब सिंह के पास स्थित है। लगभग 10 एकड़ के क्षेत्रफल में फैले इस धाम में पाण्डवों द्वारा स्थापित शिवलिंग के मुख्य मन्दिर के अलावा हनुमान, शिव पार्वती, संतोषी मां, राधा कृष्ण,श्री राम मन्दिर, विश्वकर्मा भगवान, बैजूबाबा आदि का मंदिर है।

लोकमान्यता है कि महाभारत काल में द्युत क्रीड़ा में पराजित होने के बाद पाण्डवों ने अपने आत्मविश्वास को पुनर्जागृत करने के लिए इस शिवलिंग को स्थापित किया था। इसी नाते इसे भयहरणनाथ की संज्ञा से सम्बोधित किया गया। भीम ने यहां बकासुर नामक राक्षस का वध कर ग्रामवासियों के भय का हरण किया था। इस क्षेत्र में उंचडीह का टीला, स्वरूपपुर का सूर्य मन्दिर तथा कमासिन में कामाख्या देवी का मन्दिर महाभारत कालीन भग्नावशेष हैं।

ग्रामसभा पूरैतोरई में बकुलाही नदी के पावन तट पर बने टीले के ऊपर भव्य भयहरणनाथ मन्दिर है। पश्चिम से बकुलाही

नदी आकर भोलेनाथ को भेटती हुई उत्तराभिमुखी हो गई हैं। पश्चिम में शिवगंगा ताल था, 'जिसका लघु स्वरूप 2010 में क्षेत्रीय समाज व सरकार के सहयोग से पुनः कायम हुआ।'

'आत्मिक विकास का केंद्र – प्रमुख उत्सव एवं पर्व'

श्रावण मास, मलमास तथा महाशिवरात्रि को जनमानस की अपार भीड होती है। वर्ष भर प्रत्येक मंगलवार को जलाभिषेक एवं पताका चढता है। प्रेमी भक्त जन अपने मनोरथ की पूर्ति हेतु मनौती करते हैं। अधिक मास व सावन माह में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं, कावडियों तथा भक्तों का जमावडा लगता है। महाशिवरात्रि पर चार दिवसीय महाकाल महोत्सव व नाग पंचमी पर घुघुरी लोक उत्सव, हरितालिका तीज उत्सव, होली उत्सव आदि ने नवीन परम्परा का स्वरूप पिछले 26 वर्षो ग्रहण किया है।

'भौतिक विकास का केंद्र – सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां'

क्षेत्रीय जनता अपने पारस्परिक विवादों को निपटाने के लिए इस स्थान का उपयोग पंचायत बुलाकर करते हैं। धार्मिक, सामाजिक एवं क्षेत्रीय विकास तथा कल्याण सभाएं प्रायः यहां आयोजित होती हैं।

'26 जनवरी 2016 से धाम पर प्रत्येक मंगलवार को जन सहायता केंद्र संचालित है।' प्रयागराज के सोंराव, होलागढ़, मऊआइमा तथा प्रतापगढ़ के मान्धाता, बिहार ब्लॉक के सैकड़ों आवेदन यहां से निस्तारित होते हैं। 2018 तक आयुक्त प्रयागराज मंडल के सहयोग व मार्गदर्शन से कुल आये 900 से अधिक आई जन शिकायतों में से लगभग 300 से अधिक आवेदनों का सफल व सकरात्मक निस्तारण हो चुका है।

पंचपरमेश्वर ग्रामीण पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र, चरक वाटिका, पंचपरेश्वर चौपाल, क्रांतिकारी राजा बाबू गुलाब सिंह ग्रामीण अभिलेखागार, श्री श्री रविशंकर ज्ञान मन्दिर, बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान दो दशक से सफल संचालित होता रहा है। महाशिवरात्रि पर चार दिवसीय महाकाल महोत्सव, नागपंचमी पर घुघुरी उत्सव ने परम्परा का स्वरूप ग्रहण कर धाम का महत्व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्थापित किया है।

'संतुलित विकास की यात्रा – 2001 से 2026'

इसी गांव में जन्में सामाजिक चिन्तक श्री चन्द्र शेखर प्राण के मार्गदर्शन में स्व0 लालता प्रसाद सिंह , स्व0 राम लखन नेता व स्व0 राम चन्द्र जौहर के नेतृत्व में 3 दशक पूर्व सामाजिक भागीदारी से धाम के विकास का प्रयास शुरू हुआ। उपरोक्त के अतिरिक्त प्रारंभिक दौर में सर्व श्री हरि प्रसाद शुक्ल, राम राज सिंह, गोपी द्विवेदी, नवल किशोर मिश्र व आद्या शंकर शर्मा आदि की भूमिका नीव के पत्थर के रूप में अक्षुण है।

'27.07.2010 को भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान ने महासचिव समाज शेखर के नेतृत्व में तालाब अतिक्रमण के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर संतुलित विकास की नींव रखी।' 1997 से प्रारंभ हुई धाम के पुनर्जागरण यात्रा के प्रमुख सहयात्री व संयोजक कीर्ति शेष लालता प्रसाद सिंह के निधन के पश्चात समाज शेखर ने नेतृत्व संभाला और संस्थान को फरवरी 2007 में विधिवत स्वरूप दिया। '20.08.2012 तक 250 से अधिक सक्रिय सदस्य तथा 35 सदस्यीय कार्य समिति धाम की व्यवस्था संभाल रही थी।' संस्थान ने मेला व मन्दिर व्यवस्था के लिए अलग उपसमितियां बनाई।

'पर्यटकों एवं आध्यात्मिक गुरुओं का आकर्षण केंद्र'

आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी बासुदेवानन्द जी, सुन्दर लाल बहुगुणा, जलपुरूष राजेन्द्र सिंह, राम बहादुर राय , पी बी राज गोपाल, ब्रम्हलीन पत्री जी महाराज व राम लोचन ब्रम्हचारी जी महाराज तथा सर्वेश गिरी जी महाराज, भागवत भूषण विजय कांत जी महाराज, देवब्रत जी महाराज आदि धाम पर पधार कर मार्गदर्शन करते रहे हैं। स्काटलैण्ड, मलेशिया, मारीशस एवं फान्स से विदेशी विद्वान अध्ययन हेतु आ चुके हैं। बकुलाही नदी की प्राचीन धारा के पुनरोद्धार का संकल्प इसी जागृत स्थल का परिणाम है।

'धाम का मूल मंत्ररू' –विवाद नहीं, संवाद। अतिक्रमण नहीं, संरक्षण। केवल पूजा नहीं, समग्र विकास।–

समाज व सरकार की भागीदारी से यह धाम निरन्तर विकसित हो रहा है जो आत्मिक एवं भौतिक विकास के संतुलित केन्द्र के रूप में स्थापित हो गया है।

उर्दू हिंदी की साझा ज़बान–गरी

एक इंसान सब कुछ नहीं जान सकता,जानकार के पास भी हर चीज़ की जानकारी नहीं होती। फ़िक्रे में ष्जानष् ष्जानकारष् और ष्जानकारीष् जो लफ़्ज़ हैं उन्हें ज़रूरत के तहत उर्दू हिंदी के ज़बान–गर और मुजतहिद शोअरा में से किसी ने गढ़ा होगा या फिर उन्होंने ज़रूरत के तहत अवाम में बनती रहने वाली बोली से क़ुबूल कर बहैसियत ज़बान राएज कर दिया होगा। हक़ीक़त यही है कि ष्जानष् संस्कृत के लफ़्ज़ ष्ज्ञानष् से बना है और उसी से निकले लफ़्ज़ ष्संज्ञानष् से जानकारी के लफ़्ज़ ने वजूद पाया है,और इसी तरह ज्ञानी को जानकार किया गया। हिंदी वाले चाहते तो ज्ञान और संज्ञान का इस्तेमाल करते रहते, वह जान,जानकार,जानकारी जैसे अल्फ़ाज़ को रद्द कर सकते थे मगर उनके अंदर जो ज़बान की हिस थी उसने इस लफ़्ज़ की खूबसूरती और मज़बूती को भांप लिया था। जानकारी का लफ़्ज़ वक़्त के साथ अपने आप में इतना मज़बूत लफ़्ज़ वाक़े हुआ कि आज अदालतों में मुस्तामल है। लेसानी उसूलों से मावेरा यह अल्फ़ाज़ आज लुग़त डिक्शनरी में अपने मुरादी मुआनी के साथ दर्ज़ हैं तो इंदराज से ज़बान गरों के लेसानी इजतेहाद की मज़बूत तस्दीक़ होती है और यह भी पता चलता है कि लुग़त किसी ज़बान में बोले जाने वाले लफ़्ज़ों के लेसानी मुआनी या मुरादी मुआनी दर्ज करने के लिए होती है।

हर ज़बान में अवाम के बीच बोले जाने वाले लफ़्ज़ों का एक ऐसा ज़खीरा होता है जिसकी लेसानी तस्दीक़ मुमकिन नहीं होती मगर वह धड़ल्ले से बोले बरते और समझे जाते हैं,यहाँ पर ष्धड़ल्लेष् का लफ़्ज़ जो मैंने इस्तेमाल किया सब ने उसे मुआनी के मुताबिक़ समझा मगर इसकी लेसानी तस्दीक़ मुमकिन नहीं है,इसे इसी के मुआनी से समझना पड़ेगा। अस्ल में मुकालमे की ज़रूरतें बोल चाल के लिए आज़ाद ओ बेनियाज़ाना तौर पर लफ़्ज़ गढ़ती रहती हैं जब शोअरा उन लफ़्ज़ों को क़ुबूल कर के अदब के ज़रीये ज़बान का हिस्सा बना कर राएज कर देते हैं तो वह लफ़्ज़ बहैसियत ज़बान क़ुबूल कर लिये जाते हैं। मीर ने ग़ज़ल के मक़्ते में एक मिसरा में कहा ष्अभी टुक रोते रोते सो गया हैष् इस में जो ष्टुकष् का लफ़्ज़ है वह किसी मुख़्तसर तरीन लम्हे का सब से छोटा टुकड़ा है! फ़्रैक्शन आफ़ सेकेंड जिसे कहा जा सकता है,मगर ग़ौर करने की बात है कि एक फ़िक्रे बराबर तशरीही लफ़्ज़ों को दो हर्फ़ पर मुशतमिल एक लफ़्ज़ ष्टुकष् ने समेट लिया! इसी तरह दूल्हा साहिब उरूज मरसिये की बेत में एक मिसरा यूँ कहते हैं कि ष्हरम समेत शहे मशरेक़ैन प्यासे हैंष् इस मिसरे में जो ष्समेतष् का लफ़्ज़ इस्तेमाल हुआ है वह अपने मुरादी मुआनी पर मुबनी है और संस्कृत के लफ़्ज़ सहित से छन कर उर्दू बना है जिसका मतलब युक्त, साथ और संग वग़ैरा हैं।

संस्कृत में लफ़्ज़ ष्फुल्लष्और ष्प्रफुल्लष् है, जिस का मतलब खुश,खिले हुए से हैं,उसी से उर्दू हिंदी ने फूल, फुल–वारी, फूलना जैसे लफ़्ज़ बनाये,फूले न समाना मुहावरा बनाया,वर्ना संस्कृत के सुमन पर हिन्दी और फ़ारसी के गुल पर उर्दू गुज़ारा कर सकती थी,मगर ज़बाने गुज़ारे के लिए नहीं असासे के लिए होती हैं इस लिए हिंदी उर्दू ने अपने लिए लफ़्ज़ से लफ़्ज़ बनाये अलबत्ता हिंदी ने सुमन और उर्दू ने गुल का इस्तेमाल भी जारी रखा। इसी तरह उर्दू हिंदी ने सूर्य से सूरज,चंद्र से चाँद, वर्षा से बरसात और वर्ष से बरस जैसे लफ़्ज़ बनाये। जोश मलीहाबादी जिन्हें शाइरे इंक़ेलाब कहा जाता है वह सौत ओ सदा को मुआनी देने वाले ज़बरदस्त शाइर थे,कुछ लोग उनको घन गरज का शाइर भी कह लेते हैं,मगर वह लफ़्ज़ साज़ और मुआनी निगार शाइर थे। उर्दू शायरी में दो लफ़्ज़ ष्तकष् और ष्तलकष् बहुत इस्तेमाल होते हैं। आम तौर पर लोग समझते हैं कि यह दोनों लफ़्ज़ हम मुआनी हैं मगर ऐसा हरगिज़ नहीं। अगर कोई कहे कि वह सात बजे ष्तकष् आ जायेगा तो इसका मतलब होगा है कि आने वाला सात बजे के अन्दर आ जाने की ख़बर दे रहा है। मगर वहीं कहा जाये कि सात बजे ष्तलकष् आ जायेगा तो इसका मतलब होगा कि आने वाला आठ बजने से पहले पहले आ जाने की ख़बर दे रहा है। तक और तलक से ही ष्तकनाष् लफ़्ज़ बना है,तक और तलक से ष्याह तकनेष् का मुहावरा भी बना है। उर्दू खुले दिल दिमाग़ वालों की ज़बान है और दूसरी ज़बानों के लफ़्ज़ों को उर्दुवाने में ज़रा भी नहीं झिझकती,प्लेट को पलेट और ग्लास को गिलास करने में इसे देर नहीं लगती। उर्दू ने हिन्दी के हुरूफ़ अपनाये और हिंदी ने उर्दू से बिंदी लेने में कोई झिझक नहीं महसूस की।

ज़बानों की दुनिया बड़ी मज़ेदार और दिलचस्प दुनिया है।हर चंद के ज़बानों के अपने उसूली अल्फ़ाज़ होते हैं मगर ज़बान को खूबसूरत मुरादी मुआनी वाले लफ़्ज़ ही बनाते हैं। जो ज़बाने मुरादी मुआनी वाले लफ़्ज़ों के लिए दरवाज़े बंद कर लेती हैं वह घुटती रहती हैं,दर हक़ीक़त मुरादी मुआनी वाले लफ़्ज़ ज़बानों के लिए ताज़ा सांस की तरह होते हैं,यह ताज़गी का एहसास दिलाते हैं,इनके खरे वजूद को लेसानी उसूलों की कसोटी पर नहीं परखा जा सकता,इनका सोना ज़रा दूसरे क़स्मि का होता है मगर होता है बहुत क़ीमत।

अनवार अब्बास नक़वी

रचना सक्सेना के गीत

घर - घर चर्चा होती अब है, आया दौर खराब।
जीवन ऐसा आज हुआ है, काँटों भरा गुलाब।।

सुख सुविधाएँ घर - घर सारी, गर्मी क्या बरसात।
लेकिन चैन ढूँढ़ता मानव,बुरे सभी हालात।।
हुआ पतन अब नैतिकता का, जिसका नही जवाब।
जीवन ऐसा आज हुआ है, काँटों भरा गुलाब।।

खान पान अरु पहनावा ही, भारत की पहचान।
संस्कारों से पोषित बच्चे, इस धरती के शान।।
हवा चलीं यूँ पुरखो के अब, बिखरे सारे ख्वाब।
जीवन ऐसा आज हुआ है, काँटों भरा गुलाब।।

इस धरती पर नारी को तो , मिला सदा सम्मान।
फिर क्यों आज कहे अब नारी, उसका नहीं है मान।।
शास्त्रों मे नारी की गरिमा,का अब नही हिसाब।
जीवन ऐसा आज हुआ है, काँटों भरा गुलाब।।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

'फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद न रखें',रिद्धि डोगरा ने युवा लड़कियों की खोली आंखेंय असली फेमिनिज्म पर रखी राय

बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। रिपोर्ट में पुष्टि हुई थी कि ट्विशा की मौत फांसी लगाने से हुई, यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं। रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही हैं, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही हैं। रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।' रिद्धि आगे लिखती हैं, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान है। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए। शादी प्यार और सम्मान के लिए कीजिए।' रिद्धि ने शादी में किसे दूसरे के दखल को लेकर भी कुछ काफी कुछ लिखा। वह पोस्ट में लिखती हैं, 'अपनी शादीशुदा जिंदगी में हर समय माता—पिता या दूसरों को शामिल मत कीजिए। अगर हर फैसले में दूसरों की जरूरत पड़े, तो वह रिश्ता दो लोगों का नहीं, भीड़ का बन जाता है।' रिद्धि ने जहां लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी, वहीं असली फेमिनिज्म का मतलब भी समझाया है। वह लिखती हैं, 'असली फेमिनिज्म का मतलब समानता है। बस इतना ही, न इससे ज्यादा और न इससे कम। जब मैं लड़कियों के अधिकारों की बात करती हूं तो लड़कों के लिए भी आवाज उठाती हूं।

'मैं वर्जिन हूं बेबी', सना मकबूल के बयान ने मचाया बवाल, रिलेशनशिप को लेकर खोला बड़ा राज

टीवी इंडस्ट्री की जानी—मानी एक्ट्रेस और 'बिग बॉस ओटीटी 3' की विजेता सना मकबूल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनका कोई शो या प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक ऐसा बयान है जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बेहद साफ और बेबाक अंदाज में बात की। चालिए आपको बताते हैं आखिर एक्ट्रेस ने ऐसा क्या बोला हैं। एक बातचीत के दौरान सना मकबूल ने कहा, "मैं वर्जिन हूं बेबी३ सच में!" उनके इस बयान ने न सिर्फ इंटरव्यू लेने वाले को हैरान कर दिया, बल्कि सोशल मीडिया पर भी यह तेजी से वायरल हो गया। उन्होंने बताया कि अब तक वह किसी भी रिलेशनशिप में नहीं रही हैं और न ही उन्होंने कभी किसी तरह का फिजिकल रिलेशन या हुकअप एक्सपीरियंस किया है। सना ने इंटरव्यू में साफ कहा कि यह उनका निजी फैसला है और इसके पीछे कोई धार्मिक कारण नहीं है। उनके मुताबिक, आज के समय में रिश्तों में भरोसा बनाए रखना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्यार में धोखा मिलने और दिल टूटने का डर रहता है, जिसकी वजह से वह रिलेशनशिप से दूरी बनाए रखती हैं। बातचीत के दौरान सना ने अपनी पिछली रिलेशनशिप का जिक्र भी किया। उन्होंने बताया कि जब उनके करियर में सफलता आने लगी तो उनके पार्टनर के साथ चीजें बदलने लगीं और रिश्ते में तनाव आ गया। इसी अनुभव ने उन्हें और ज्यादा सतर्क बना दिया और वह किसी नए रिश्ते में जाने से पहले सोच—समझकर कदम उठाना पसंद करती हैं। सना के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग—अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ लोग उनकी ईमानदारी और खुलकर अपनी बात रखने की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ इसे सिर्फ पब्लिसिटी स्टंट भी बता रहे हैं। कई यूजर्स ने इस मुद्दे को लेकर समाज में बदलती सोच और रिश्तों को लेकर बढ़ती जटिलताओं पर भी बहस शुरू कर दी है। इस पूरे मामले के बाद सना मकबूल लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। उनका यह इंटरव्यू इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उनके बयान को लेकर लगातार अपनी राय दे रहे हैं।

अब खुलेगा पवन सिंह का पूरा चिट्ठा, सामने आएगा निरहुआ–आम्रपाली के रिश्ते का सच! ओटीटी पर मचेगा 'भोजपुरी बवाल'

फैंस को अब भोजपुरी सिनेमा के अपने चहेते स्टार्स के बारे में अधिक जानने को मिलेगा। क्योंकि ओटीटी प्लेटफॉर्म जीयोहॉटस्टार एक नया रियलिटी शो ला रहा है। इसमें फैंस को पवन सिंह, निरहुआ, आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी जैसे स्टार्स की लाइफ को सीधे तौर पर बिना किसी ड्रामे के देखने को मिलेगा। यह शो सामान्य रियलिटी शोज से काफी अलग होने वाला है, क्योंकि इसमें कुछ भी स्क्रिप्टेड नहीं होगा, न ही पहले से तय की गई लड़ाइयां होंगी और न ही कोई एलिमिनेशन देखने को मिलेगा। देखने को मिलेगा तो बस पवन सिंह और आम्रपाली दुबे व निरहुआ का सच। जानिए आखिर क्या है क्यों कही जा रहीं हैं ये बातें और क्या है भोजपुरी बवाल? जियोहॉटस्टार और कलर्स टीवी रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस शो में भोजपुरी दुनिया के सुपरस्टार पवन सिंह, दिनेश लाल यादव शनिरहुआश, आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी और उनके साथ तेज प्रताप यादव नजर आने वाले हैं। यह शो इन सेलेब्स की पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की अनदेखी झलक दिखाएगा। जिसमें उनके जीवन को बिना किसी ड्रामा या स्क्रिप्ट के दिखाया जाएगा। इस शो के जरिए फैंस अपने पसंदीदा सेलेब्स की असल जिंदगी और अनसुने पहलुओं से रूबरू हो सकेंगे। ऐसे में अब दर्शक आम्रपाली दुबे और निरहुआ के रिश्ते के बारे में जानने को लेकर सबसे ज्यादा उत्सुक हैं। वहीं पवन सिंह की जिंदगी में भी कई राज और विवाद हैं, जिनसे पर्दा हटने की उम्मीद है। यह शो बाकी के पारंपरिक रियलिटी शोज से काफी अलग होने वाला है, क्योंकि इसे एक फॉलो रियलिटी फॉर्मेट में तैयार किया गया है। इसका मतलब यह है कि शो में आपको कोई स्क्रिप्टेड ड्रामा, पहले से तय की गई लड़ाइयां या फिर किसी भी तरह का एलिमिनेशन देखने को नहीं मिलेगा। दर्शक इसे सीधा जस का तस देख सकेंगे। कैमरे इन सितारों की रोजमर्रा की जिंदगी को चुपचाप तरीके से दर्शकों तक पहुंचाएंगे। शो में एक तरफ जहां इन कलाकारों की शोहरत और फैंस के बीच उनके क्रेज को दिखाया जाएगा, वहीं दूसरी ओर पर्दे के पीछे की कड़वी सच्चाई भी सामने आएगी। मेकर्स की ओर से शो की अलग—अलग झलकियां शेयर की जा चुकी हैं। एक क्लिप में जहां पवन सिंह और तेज प्रताप यादव एक बड़े से सिंहासन टाइप के सोफे पर बैठे नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी क्लिप में दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे उसी सोफे पर विराजमान दिख रहे हैं। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। लेकिन इसके कॉन्सेप्ट और प्रतिभागी सेलेब्स के नाम सामने आने के बाद, फैंस शो को लेकर काफी उत्साहित हैं।

सलमान खान के बाद अब सारा तेंदुलकर ने लगाई पैपराजी की क्लास, बोलीं– तुम घटिया हो, यह पत्रकारिता नहीं

आए दिन कोई न कोई सेलिब्रिटी पैपराजी की हरकतों से परेशान रहते हैं। पिछले कुछ दिनों पहले बसीर अली की पैपराजी से झड़प हुई थी और दो दिन पहले ही भाई जान ने पैपराजी को उनकी हरकतों की वजह से खूब खरी—खोटी सुनाई। अब फिर से एक और ऐसा ही मामला सामने आया है। सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर ने भी हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर के पैपराजी को जमकर सुनाई है। जानते हैं क्या है पूरा मामला? हाल ही में सारा तेंदुलकर अपनी भाभी के साथ एयरपोर्ट पर कहीं जा रही थीं तभी किसी पैपराजी ने दोनों की फोटो डालते हुए लिखा—मोटी वाली सारा हैं, बगल वाली भाभी हैं..। इसके बाद सारा का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है, उन्होंने अपनी स्टोरी में स्क्रीनशूट डालते हुए लिखा कि—'तुम घटिया हो। यह पत्रकारिता नहीं है, हमें अकेला छोड़ दो।' अपने बॉडी के ऐसे कमेंट सारा को बर्दाश नहीं हुए और उन्होंने जमकर सबकी क्लास लगाई। सारा तेंदुलकर ने इस मामले पर तुरंत नाराजगी जताई और संबंधित पैपराजी पेज को सोशल मीडिया पर टैग करते हुए अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इस तरह की हरकत को पत्रकारिता नहीं कहा जा सकता और उन्हें उनकी निजी जिंदगी में दखल देना बंद करना चाहिए। सारा का यह जवाब इंटरनेट पर तेजी से चर्चा में आ गया। फैंस भी उनके समर्थन में उतर आए और पैपराजी पेज को जमकर ट्रोल किया। कई लोगों ने कहा कि सिर्फ लाइक्स और व्यूज पाने के लिए किसी की बॉडी को लेकर मजाक उड़ाना बेहद गलत और शर्मनाक है।

राज बब्बर और रेखा के बीच अफेयर की बातों पर क्या बोले बेटे आर्य ? खोले कई राज, कहा–कौन आकर्षित नहीं होगा

विक्की ललवानी को दिए इंटरव्यू में आर्य ने राज और रेखा के बीच अफेयर को लेकर बात की। जब उनसे दोनों के रिलेशनशिप पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'अगर आप पूछ रहे हैं कि क्या पापा रेखा जी की तरफ आकर्षित थे, तो वो इतनी खूबसूरत हैं कि कौन आकर्षित नहीं होगा? मैं भी होता। अगर उन्हें आकर्षण महसूस हुआ तो उसमें गलत क्या है? यह इंसानी भावना है।' बता दें कि रेखा और राज बब्बर ने कई फिल्मों में साथ काम किया था, जिनमें 'अगर तुम ना होते', 'झूठी', 'अमीरी गरीबी' और 'इन्साफ की आवाज' शामिल हैं। आर्य ने आगे कहा कि उनके पिता की जिंदगी में और भी कई बड़ी उपलब्धियां रहीं, लेकिन लोग आज भी सिर्फ उनके अफेयर्स की बात करते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अब 44 साल का हूं। यह सब तब हुआ था जब मैं सिर्फ 4—5 साल का था। हम सब जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं, इसलिए बाकी लोगों को भी आगे बढ़ जाना चाहिए।' उन्होंने यह भी माना कि किसी भी बच्चे के लिए अपने पिता के अफेयर की बातें सुनना आसान नहीं होता, लेकिन समय के साथ उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। मजाकिया अंदाज में आर्य ने कहा, 'पापा भी आगे बढ़ गए थे, उनका एक और अफेयर भी हुआ था।' गौरतलब है कि राज बब्बर का निधन साल 1986 में बेटे के जन्म के कुछ ही दिनों बाद हो गया था। राज बब्बर ने साल 1975 में नादिरा बब्बर से शादी की थी, जिनसे उनके दो बच्चे आर्य और जूही हैं। बाद में उन्होंने स्मिता पाटिल से भी शादी की थी।

बच्चे के अंदर दिखें ये बदलाव तो पेरेंट्स न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं एंग्जायटी के लक्षण

अगर बच्चा किसी काम को करने से पहले घबराता है, हथेलियों पर पसीना आए या फिर लोगों से मिलने–जुलने से कतराने लगे। तो पेरेंट्स को अपने बच्चे के इस बदलते व्यवहार के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। कई बार बच्चे एंग्जायटी को लेकर बात करना चाहते हैं, लेकिन माता–पिता उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं। ऐसे में अगर समय पर एंग्जायटी के लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए और इलाज न किया जाए, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एंग्जायटी के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बच्चे का गुस्सैल होना

अगर बच्चे में एंग्जायटी की समस्या की समय रहते पहचान न की जाए, तो इसका सीधा असर बच्चे के लिए बिहेवियर पर देखने को मिलता है। बच्चा गुस्सैल हो जाता है किसी भी काम को करने से पहले झुंझलाते या फिर घबराते हैं।

तैयारी के बाद भी एग्जाम में जाने से डरना

एंग्जायटी की समस्या से गुजरने वाले बच्चों के अंदर एग्जाम को लेकर डर बैठ जाता है। अच्छी तैयारी होने के बाद भी उनको लगता है कि वह अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएंगे। कई बार वह परीक्षा न देने के लिए बहाने ढूंढते हैं या फिर उससे बचने का प्रयास करते हैं। अच्छी तैयारी होने के बाद भी वह खुद पर भरोसा नहीं कर पाते हैं।

घर से बाहर जाने में घबराहट

अगर बच्चा घर से बाहर जाने में कतराता है या किसी पार्टी व रिश्तेदार के यहां जाने से बचता है या फिर कई बार शॉपिंग पर जाने से मना करना। बच्चे का स्कूल जाने की इच्छा नहीं होना और न अपने दोस्तों से मिलना।

भूख और नींद कम होना

बता दें कि एंग्जायटी का असर बच्चे की नींद और भूख पर भी देखने को मिलता है। पहले जिन खेलों या एक्टिविटी में हिस्सा लेने के लिए बच्चा आगे रहता था, अब उसमें वह हिस्सा लेने से पीछे हट जाता है। या फिर डांसिंग, सिंगिंग या ड्राइंग जैसी मनपसंद एक्टिविटी में मन नहीं लगना।

एंग्जायटी के लक्षण

पेट दर्द या सिरदर्द की शिकायत

जी घबराना या उल्टी होना

सांस लेने में तकलीफ

ज्यादा पसीना आना

ऐसे पहचानें पेरेंट्स

पहले जिन कामों को करने में बच्चा दिलचस्पी दिखाता था, अब उन्हीं कामों को वह बोझ समझने लगा है।

बच्चा अगर किसी काम को करने से पहले ही यह कह दे कि वह मुझसे नहीं होगा।

बच्चे का बार–बार बीमार पड़ना और रात में नींद कम आना।

बच्चे का बाहर जाने से मना करना।

किसी से मिलने–जुलने में कंफर्टेबल फील नहीं करना।

काम को न करने के लिए बच्चे द्वारा नए–नए बहाने बनाना।

जानिए क्या करें पेरेंट्स

बच्चे के व्यवहार में बदलाव देखने के बाद पेरेंट्स उनसे ज्यादा से ज्यादा बात करने का प्रयास करें। साथ ही यह भी प्रयास करें कि आखिर बच्चा किस बात को लेकर परेशान हो रहा है। इसलिए बच्चे की बात को बेफिजूल मानकर नहीं टालना चाहिए। बच्चे को ऐसे फील कराएं कि आप उनका साथ हर स्थिति में देंगे। बच्चे के आसपास रहें और उनको कंफर्टेबल फील कराने का प्रयास करें। उनकी डाइट का ध्यान रखें। बच्चे की सेहत पर यदि एंग्जायटी का ज्यादा असर नजर आने लगा है तो किसी अच्छे साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर से बात करने में बिल्कुल भी देर नहीं करें।

एक रात में ही केला पककर हो जाता है खराब तो इन तरीकों से करें स्टोर, कई दिन तक रहेगा फ्रेश

केला एक ऐसा फल है जिसे हर उम्र का व्यक्ति आसानी से खा सकता है। यह ना सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि पौष्टिक तत्वों से भी भरपूर होता है। केले में पोटैशियम, फाइबर, विटामिन बी6, विटामिन सी और कार्बोहाइड्रेट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। यह शरीर को ऊर्जा देने के साथ–साथ पाचन तंत्र, हृदय स्वास्थ्य और ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित रखने में मदद करता है। हालांकि, जितना यह फल स्वास्थ्य के लिए अच्छा है उतनी ही परेशानी इसे स्टोर करने में होती है। केला जल्दी पकता है और सही तरीके से स्टोर न किया जाए तो कुछ ही दिनों में गलकर सड़ जाता है। चलिए जानते हैं कैसे आप केलों को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं।

केले को स्टोर करने से पहले क्या करें?

केले को साफ पानी से धो लें: केले के ऊपर अक्सर केमिकल या मोम की परत लगी होती है, जो जल्दी पकाने के लिए डाली जाती है। अगर आप इसे धो लें तो ये केमिकल हट जाते हैं और केले का पकना थोड़ा धीमा हो जाता है।

ताजा और हल्के हरे केले ही चुनें: बाजार से खरीदते समय कोशिश करें कि थोड़ा कच्चा (हल्का हरा) केला लें। इससे आपके पास उसे स्टोर करने के लिए ज्यादा समय होगा और वह धीरे–धीरे अपने आप घर पर पक जाएगा।

केले को सही तरीके से कैसे स्टोर करें?

केले को टांग कर रखें: केले को हमेशा हैंगिंग बनाना होल्डर या रस्सी पर टांग कर रखें। ऐसा करने से केले के नीचे वाला हिस्सा दबता नहीं है, जिससे वह जल्दी नहीं गलता।

अगर आपके पास बनाना हैंगर नहीं है, तो केले को किसी ऐसी जगह पर रखें जहां वे एक–दूसरे पर दबें नहीं।

रूम टेम्परेचर पर ही रखें: केले को कभी भी फ्रिज में न रखें जब तक वह पूरी तरह से पका न हो। केला फ्रिज में रखने से उसका छिलका काला पड़ जाता है और वह अपना स्वाद भी खो देता है। इसे ठंडी और हवादार जगह पर रखना बेहतर होता है, जहां सीधी धूप न पड़े।

केले की डंठल को प्लास्टिक या फॉइल से लपेटें: केले के ऊपरी हिस्से (डंठल) को क्लिंग रैप या एल्यूमिनियम फॉइल से अच्छी तरह लपेट दें। यह तरीका एथिलीन गैस को फैलने से रोकता है, जिससे केला धीरे पकता है और ज्यादा दिन तक ताजा रहता है।

ज्यादा पके केले को फ्रिज में रखें: अगर केला बहुत ज्यादा पका हुआ है और आप उसे अगले 2–3 दिन में ही खाना चाहते हैं, तो आप उसे फ्रिज में रख सकते हैं। इसका छिलका भले ही काला हो जाए, लेकिन अंदर का फल सुरक्षित और खाने लायक बना रहता है।

किन गलतियों से बचना चाहिए?

केले को दूसरे फलों के पास न रखेंरू केला एथिलीन गैस छोड़ता है, जो अन्य फलों को भी जल्दी पकने पर मजबूर करता है। इसलिए केले को सेब, आम, नाशपाती जैसे फलों से दूर रखें।

केले को प्लास्टिक बैग में बंद करके न रखें: अगर आप केले को प्लास्टिक बैग में बंद कर देंगे, तो अंदर गर्मी और नमी बढ़ेगी, जिससे केला जल्दी सड़ सकता है।

केले को कैसे बचाएं जब वह ज्यादा पक जाए?

अगर आपके घर में केला ज्यादा पक गया है और खाने लायक नहीं लग रहा, तो आप उसे फेंकने की बजाय इन तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं।

केले का शेक बनाएं

केला–ब्रेड केक या मफिन्स बनाएं

स्मूदी या ओट्स में मिलाकर खाएं

बच्चों के लिए केले की पूरी या पराठा बना सकते हैं

केला एक सेहतमंद और एनर्जी से भरपूर फल है, लेकिन इसे स्टोर करना थोड़ा जतपबाल हो सकता है। तो अगली बार जब आप केला खरीदें, तो उसे सही तरीके से स्टोर करें और स्वास्थ्य लाभों का भरपूर आनंद लें।

बार–बार सिर घूमना हो सकता है इस गंभीर समस्या का संकेत, जानें उपाय

सिर का घूमना और सिरदर्द दो अलग–अलग समस्याएँ हैं, लेकिन कई बार लोग इन्हें एक जैसा समझ लेते हैं। जब सिर में चक्कर जैसे महसूस होते हैं, तो यह सिरदर्द से बिलकुल अलग समस्या होती है। इसे वर्टिगो कहते हैं, और यह एक आम समस्या हो सकती है, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह कभी–कभी किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है।

वर्टिगो क्या है?

वर्टिगो एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को अचानक सिर घूमने जैसा महसूस होता है। यह अचानक किसी भी दिशा में घूमने पर हो सकता है, जिससे चक्कर आ जाते हैं। यह स्थिति सिर के अलावा कान से भी जुड़ी होती है।

क्यों होती है सिर का घूमना?

सिर का घूमना, जिसे हम वर्टिगो भी कहते हैं, कई कारणों से हो सकता है। इसके मुख्य कारणों में कान से जुड़ी बीमारियां, खड़े होने या बैठने के समय सिर का घूमना, या अचानक दिशा बदलने पर चक्कर आना शामिल हैं। यह स्थिति बहुत असुविधाजनक हो सकती है, और कुछ मामलों में यह रोजमर्रा की जिंदगी में समस्या उत्पन्न कर सकती है।

वर्टिगो का इलाज क्या है?

वर्टिगो का कोई विशेष मेडिकल इलाज नहीं है, लेकिन इसे कम करने के लिए कुछ एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है। यह एक्सरसाइज वर्टिगो में राहत देने में मदद कर सकती हैं।

पेंसिल की एक्सरसाइज: सबसे पहले एक पेंसिल लें और इसे अपनी आंखों के सामने सीधा रखें। अब पेंसिल को दाईं और बाईं ओर घुमाएं और अपनी आँखों को पेंसिल के साथ मूव करें। यह एक्सरसाइज आपके सिर के घुमाव को नियंत्रित करने में मदद करती है।

स्ट्रेट स्टेप एक्सरसाइज: इस एक्सरसाइज में आपको अपने पैरों को सीधा और एक लाइन में रखकर स्टेप बाय स्टेप आगे बढ़ाना है। कोशिश करें कि आप इसे बिना किसी सहारे के करें, ताकि शरीर का संतुलन बेहतर हो सके।

सिंपल स्टैंडिंग और लेग रेज एक्सरसाइज: एक जगह खड़े होकर सामने देखें और फिर एक–एक पैर को एक मिनट के गैप के साथ ऊपर–नीचे करें। यह एक्सरसाइज शरीर की स्थिरता और संतुलन को सुधारने में मदद करती है।

वर्टिगो से बचाव के उपाय

योग और ध्यान करें: योग और ध्यान आपके शरीर और मन को शांत रखते हैं, जो वर्टिगो को कम करने में मदद कर सकते हैं।

स्ट्रेस मैनेजमेंट: तनाव को कम करने के लिए तनाव प्रबंधन महत्वपूर्ण है। यह वर्टिगो की समस्या को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है।

शराब और सिगरेट से परहेज: शराब और सिगरेट वर्टिगो की स्थिति को और बढ़ा सकते हैं, इसलिए इनसे बचना चाहिए।

तेज लाइट्स से बचें: तेज रोशनी और चमकदार लाइट्स वर्टिगो को बढ़ा सकती हैं, इसलिए इनसे बचने की कोशिश करें।

डीप ब्रीदिंग: गहरी सांसें लेना और श्वास नियंत्रण वर्टिगो को कम करने में मदद करता है।

डिस्कलेमर: यदि आप सिर में चक्कर महसूस करते हैं, तो यह हो सकता है कि आपको वर्टिगो हो। इसके लिए उचित इलाज, एक्सरसाइज और बचाव के उपायों को अपनाना जरूरी है। यदि समस्या बढ़े तो चिकित्सक से परामर्श लें।

गर्मियों में सेहत के लिए वरदान से कम नहीं सत्तू का शरबत, नोट करें बिहारी स्टाइल रेसिपी

गर्मियों के मौसम में हम सभी को अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। ऐसे में शरीर को अंदर से ठंडा रखने और स्वस्थ रहने के लिए सत्तू के शरबत को पीने की सलाह दी जाती है। सत्तू हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद होता है, यह तो आप सभी जानते होंगे। आप गर्मियों में सत्तू के शरबत का सेवन कर सकते हैं। यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है और आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखने में सहायत साबित हो सकता है। लेकिन क्या आपने कभी बिहारी स्टाइल सत्तू का शरबत बनाया है। अगर नहीं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहारी स्टाइल सत्तू का शरबत बनाने के रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

चने का सत्तू – आधा कप

पोदीना के पत्ते – 10

नीबू का रस– 2 चम्मच

हरी मिर्च – आधी

भुना जीरा – आधा छोटी चम्मच

काला नमक – स्वादानुसार या आधा छोटी चम्मच

नमक – एक चौथाई चम्मच या स्वादानुसार

ऐसे बनाएं सत्तू का शरबत

यह शरबत बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में सत्तू लें और फिर इसमें थोड़ा–थोड़ा करके पानी मिलाते रहें। इसको तब तक घोलते रहें, जब तक इसके घोल में गांठ न बचें। अब इस मिक्सचर में आपको थोड़ा सा नींबू का रस मिलाएं और फिर भुना जीरा और काला नमक मिलाएं। यह दोनों चीजें इसके स्वाद को बढ़ाने का काम करता है। फिर बारीक कटी हरी मिर्च और हरा धनिया मिलाएं। अंत में आपको इस मिक्सचर में ठंडा पानी मिलाना है। इस आसान तरीके से सत्तू का टेस्टी और हेल्दी सत्तू का शरबत बनकर तैयार हो जाएगा। बता दें कि अब आप गिलास में छानकर सत्तू के शरबत को सर्व कर सकती हैं। अधिक ठंडा बनाने के लिए आप चाहें तो इसके कुछ बर्फ के टुकड़े एड कर सकते हैं। गर्मियों में सत्तू के शरबत का सेवन करने से स्वास्थ्य पर पॉजिटव असर देखने को मिलेगा और यह गर्मियों में आपके शरीर को अंदर से ठंडा बनाता है। बॉडी के हाइड्रेशन से लेकर एनर्जी तक और इम्यूनिटी से लेकर स्टैमिना तक के लिए सत्तू का शरबत फायदेमंद माना जाता है।

संक्षिप्त

विनेश फोगाट को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत, अयोग्य घोषित करने के फैसले पर कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को फटकारा

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को फटकार लगाई। डब्ल्यूएफआई ने पहलवान विनेश फोगाट को घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह फोगाट का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल बनाए। चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने केंद्र सरकार से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि फोगाट को आने वाले एशियन गेम्स के सिलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने की इजाजत दी जाए। पीठ ने टिप्पणी की कि डब्ल्यूएफआई का शीर्ष खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति देने की पूर्व प्रथा पर नहीं चलना 'बहुत कुछ कहता है'। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि देश में मातृत्व का जश्न मनाया जाता है और संघ को 'प्रतिशोध' की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए। अदालत ने केंद्र से फोगाट का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने को कहा। हाईकोर्ट ने मौखिक रूप से कहा, शविशेषज्ञों से उसकी संभावनाओं का मूल्यांकन करने को कहें। यह सुनिश्चित करें कि वह भाग ले सके।

शेयर बाजार में हरियाली, सेंसेक्स 315 अंक चढ़ा, निफ्टी 23700 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। ईरान तनाव में नरमी की उम्मीद और वैश्विक आशावाद के चलते भारतीय बाजारों में शुक्रवार सुबह तेजी जारी रही। प्रमुख एशियाई सूचकांकों में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। भू–राजनीतिक तनाव में मिली संक्षिप्त राहत ने बाजार को सकारात्मक संकेत दिए। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 332.39 अंक चढ़कर 75,507.09 पर पहुंच गयाय निफ्टी 84.60 अंक बढ़कर 23,747.40 पर पहुंच गया। बाजार विशेषज्ञों ने संस्थागत निवेश रुझानों और आगामी व्युत्पन्न अनुबंध समाप्ति के कारण सतर्क दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी है। बैंकिंग और बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने सप्ताहांत में बिकवाली जारी रहने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक मई के अधिकांश समय में शुद्ध विक्रेता बने रहे। बग्गा ने अगले सप्ताह महीने के अंत की समाप्ति से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी। वैश्विक बाजार एक खतरनाक क्षेत्र में हैं, जहां एआई गति प्रमुख बाजारों को ऊपर ले जा रही है। ईरान युद्ध लगभग तीन महीने से जारी है, जिससे मुद्रास्फीति और ऊर्जा आपूर्ति बाधित हो रही है। जापान की मुख्य मुद्रास्फीति उम्मीद से कम आने से एशियाई बाजारों को कुछ राहत मिली है। जापान का निक्केई 225 सूचकांक 2.61 फीसदी बढ़कर 63,293.00 पर पहुंच गया। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 1.34 फीसदी चढ़ा, जबकि ताइवान का भारित सूचकांक 1.28 फीसदी बढ़ा। राजनीतिक बयानों के बाद भू–राजनीतिक परिदृश्य में थोड़ा बदलाव आया है, जिससे तत्काल सैन्य वृद्धि में विराम का संकेत मिला। ट्रंप ने ईरान पर किसी भी कार्रवाई को टालने की इच्छा जताई, जिससे मध्यस्थता को मौका मिल सके। ब्रेंट क्रूड 1.54 फीसदी बढ़कर 104.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। कच्चा तेल भी 1.09 फीसदी बढ़कर 97.40 डॉलर पर पहुंच गया। अबू धाबी ने एक नई पाइपलाइन पर लगभग 50 फीसदी काम पूरा कर लिया है, जिससे 2027 तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर उसकी तेल निर्यात निर्भरता कम हो जाएगी। डॉलर के मुकाबले रुपया 0.06 फीसदी बढ़कर 96.23 पर रहा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों में शुक्रवार को करीब 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, क्योंकि कंपनी ने मार्च तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। बीएसई पर शेयर में 4.78 प्रतिशत की तेजी आई और यह 839 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 4.84 प्रतिशत बढ़कर 839 रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी ने गुरुवार को मार्च तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 23,420 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया, जो मुख्य व्यवसाय और निवेश पर प्रतिफल की बदौलत हुआ। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने पिछले साल की इसी तिमाही में 19,013 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था।

भारतीय दवा उद्योग पर बड़ा संकट, बढ़ सकती हैं पैरासिटामोल और एंटीबायोटिक्स की कीमतें

नई दिल्ली,एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता का बुरा असर अब आम इंसान की सेहत और जेब पर पड़ने वाला है। दुनिया भर में सबसे ज्यादा सस्ती (जेनेरिक) दवाएं भेजने वाले भारत के दवा उद्योग पर एक बहुत बड़ा संकट मंडरा रहा है। इस युद्ध के कारण दवा बनाने के लिए जरूरी कच्चे माल की कमी हो सकती है, माल ढुलाई का खर्च बढ़ सकता है और सप्लाई चेन टूट सकती है। इसका सीधा मतलब यह है कि आने वाले दिनों में पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स और डायबिटीज जैसी आम बीमारियों की दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं और इनकी कमी भी हो सकती है। ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं और उनके नेतृत्व में अमेरिका का यह युद्ध वैश्विक व्यापार को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। फार्मेक्सिल (भारतीय औषधि निर्यात संवर्धन परिषद) और अन्य उद्योग संगठनों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव इसी तरह लंबे समय तक बना रहा, तो इसका बहुत भयंकर असर होगा। भारत लगभग 200 देशों को जेनेरिक दवाएं बेचता है। इस संकट का असर न केवल भारत पर पड़ेगा, बल्कि अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के उन तमाम गरीब देशों पर भी पड़ेगा, जो सस्ती दवाओं के लिए पूरी तरह से भारत पर निर्भर हैं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारतीय दवा उद्योग का आकार लगभग 50 अरब डॉलर का है।

अल नस्र को खिताब जिताने के बाद फूट-फूटकर रोए रोनाल्डो फिर सिर पर कपड़ा बांधा, ट्रॉफी उठाई और ड्रम बजाकर झूमे

रियाद,एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो का तीन साल का इंतजार खत्म हो चुका है। अल–नस्र ने डामैक को 4–1 से हराकर सऊदी प्रो लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। यह रोनाल्डो के क्लब से जुड़ने के बाद पहली बड़ी ट्रॉफी है। इस जीत के बाद वह फूट–फूटकर रोए भी। साल 2023 में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने जब अल नस्र का दामन थामा था, तब पूरी फुटबॉल दुनिया हैरान रह गई थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़कर सऊदी प्रो लीग में पहुंचने वाले रोनाल्डो ने लीग की लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया। हालांकि गोल करने में वह लगातार सफल रहे, लेकिन ट्रॉफी जीतने का इंतजार लंबा खिंचता जा रहा था। अब आखिरकार वह इंतजार खत्म हो गया। मुकाबले में अल–नस्र की ओर से सादियो माने और किंग्सले कोमान ने भी गोल किए, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा रोनाल्डो की रही। उन्होंने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर मैच पूरी तरह अल–नस्र के पक्ष में कर दिया। रोनाल्डो ने पहले शानदार फ्री–किक को गोल में बदला और फिर मैच खत्म होने से आठ मिनट पहले करीब से शानदार फिनिश कर टीम की जीत पक्की कर दी। इस सीजन में उनके 27 और 28वें लीग गोल रहे। खिताब जीतने के बाद रोनाल्डो का जश्न सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। एक वीडियो में वह सिर पर कपड़ा बांधे, हाथ में ट्रॉफी लिए खुशी से ड्रम बजाते नजर आए। स्टेडियम में मौजूद फैंस भी उनके साथ जश्न में डूब गए। सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करते हुए रोनाल्डो ने लिखा, यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। याल्ला नस्र!

जीत लगभग तय हो चुकी थी, तब मैनेजर जॉर्जे जीसस ने अपने कप्तान रोनाल्डो को मैदान से बाहर बुला लिया ताकि पूरा स्टेडियम खड़े होकर उनका सम्मान कर सके। बेंच पर बैठकर जब रोनाल्डो मैच के आखिरी सेकंड्स खत्म होते देख रहे थे, तब उस पल की भावनाएं उन पर पूरी तरह हावी हो गईं। हमेशा मजबूत और शांत दिखने वाले रोनाल्डो खुद को रोक नहीं पाए और दोनों हाथों में चेहरा छिपाकर रोते नजर आए। ये आंसू पिछले तीन वर्षों के संघर्ष, लगातार दबाव, आलोचनाओं और उस ट्रॉफी को जीतने की जिद का नतीजा थे, जिसका वादा उन्होंने 2023 में क्लब से जुड़ते समय किया था। फाइनल सिटी बजते ही दबाव के आंसू खुशी के जश्न में बदल गए। रोनाल्डो ने अपने साथियों के कंधों पर बैठने के बजाय जश्न को सीधे फैंस के बीच ले जाने का फैसला किया। ड्रम स्टिक हाथ में लेकर अनुभवी स्टार स्टैंड्स की ओर बढ़े और अल–नस्र के फैंस के साथ ताल पर ड्रम बजाने लगे। उनके हर बीट के साथ हजारों फैंस का जोरदार शसियूश पूरे रियाद में गूंज उठा।

उन्होंने मैदान पर अपने परिवार के साथ एक और भावुक तस्वीर भी साझा की। यह जीत उन्होंने उन लोगों के साथ बांटी, जिन्होंने लगातार मीडिया दबाव और आलोचनाओं के बीच उनका साथ दिया। दोनों पोस्ट कुछ ही घंटों में वायरल हो गए और करोड़ों व्यूज बटोरते हुए दुनिया भर के स्पोर्ट्स ट्रेंड्स पर छा गए। सऊदी लीग का खिताब जीतकर रोनाल्डो ने अब पांच अलग–अलग देशों में घरेलू लीग ट्रॉफी जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। 41 साल की उम्र में भी रोनाल्डो ने साबित कर दिया कि उनका जुनून और भूख आज भी पहले जैसी ही है। उनकी फिटनेस भी कमाल की है। रोनाल्डो को पुर्तगाल की विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। यह उनका रिकॉर्ड छठा विश्व कप होगा।

ऑस्ट्रेलिया से सीरीज के लिए पाकिस्तान की वनडे टीम घोषित, बाबर-नसीम और हारिस की वापसी, रिजवान बाहर

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी। टीम की कमान एक बार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को सौंपी गई है। इस टीम में कई बड़े खिलाड़ियों की वापसी हुई है। बाबर आजम, शादाब खान, नसीम शाह और हारिस रऊफ को वनडे टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा सूफियान मुकीम की भी वापसी हुई है, जो बांग्लादेश के खिलाफ पिछली सीरीज का हिस्सा नहीं थे। वहीं, अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर कर दिया गया है। रिजवान को टीम में शामिल न करना सबसे चौंकाने वाला फैसला रहा। पाकिस्तान सुपर लीग में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था, जिसके बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें इस सीरीज के लिए नजरअंदाज किया। रिजवान बांग्लादेश के खिलाफ इसी साल मार्च में खेली गई वनडे सीरीज की टीम में शामिल थे। हालांकि, उस सीरीज में रिजवान तीन पारियों में 58 रन ही बना सके थे। वहीं फखर जमां और सैम अयूब भी चोट के कारण टीम में शामिल नहीं किए गए हैं। दोनों खिलाड़ी फिलहाल पीसीबी के मेडिकल पैनल की निगरानी में रिहैब कर रहे हैं।

पाकिस्तान की टीम में तीन ऐसे खिलाड़ियों को मौका मिला है, जिन्होंने अभी तक वनडे डेब्यू नहीं किया है। अहमद दानियाल, अराफात मिन्हास और रोहैल नजीर पहली बार वनडे टीम का हिस्सा बने हैं। हालांकि ये तीनों खिलाड़ी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं। पीसीबी के मुताबिक, उस्मान खान बीमारी की वजह से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऑस्ट्रेलियाई टीम 23 मई को पाकिस्तान पहुंचेगी। पहला वनडे 30 मई को रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा मुकाबला दो और चार जून को लाहौर में होगा। दोनों टीमों के बीच पिछली वनडे सीरीज 2024 में ऑस्ट्रेलिया में खेली गई थी, जिसमें पाकिस्तान ने 2–1 से जीत दर्ज की थी। यह 22 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान की पहली वनडे सीरीज जीत थी।

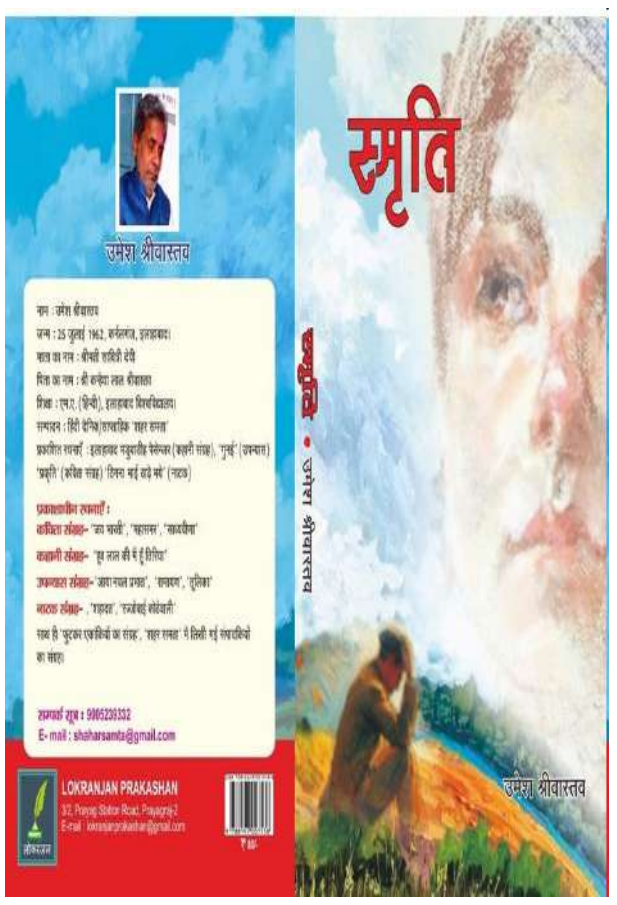

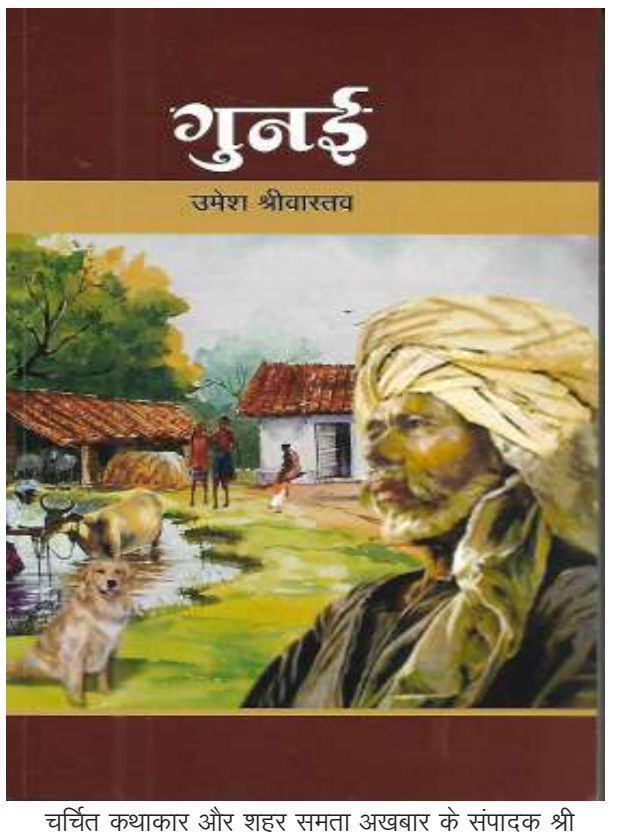

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

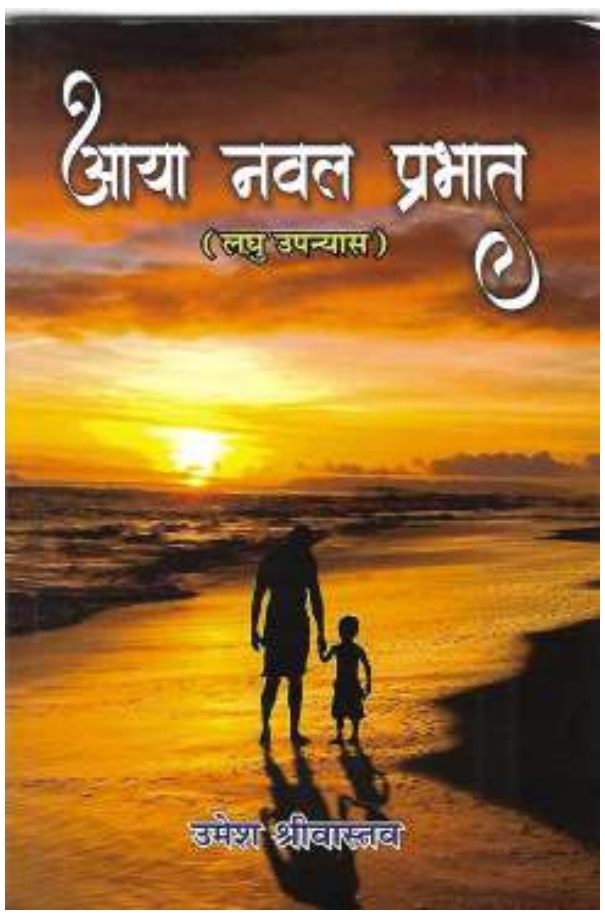

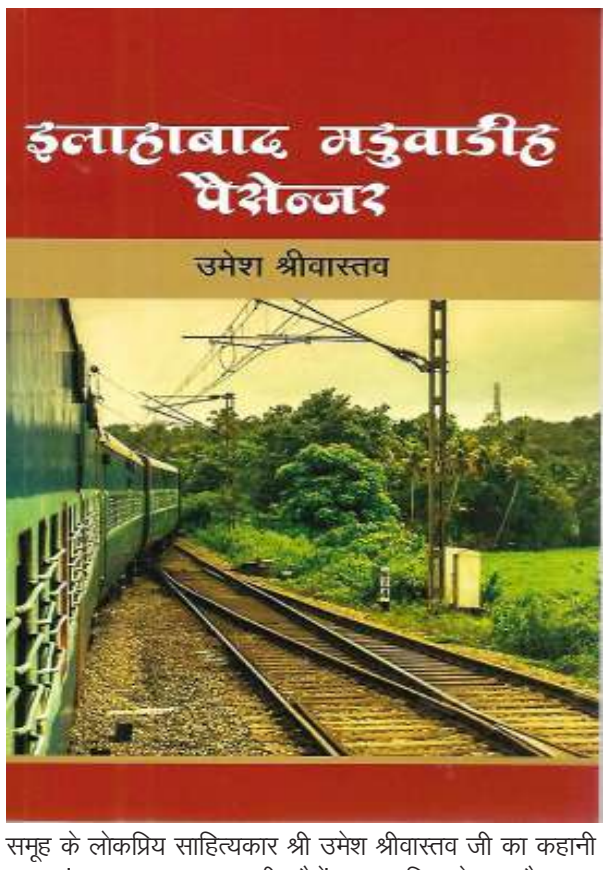

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

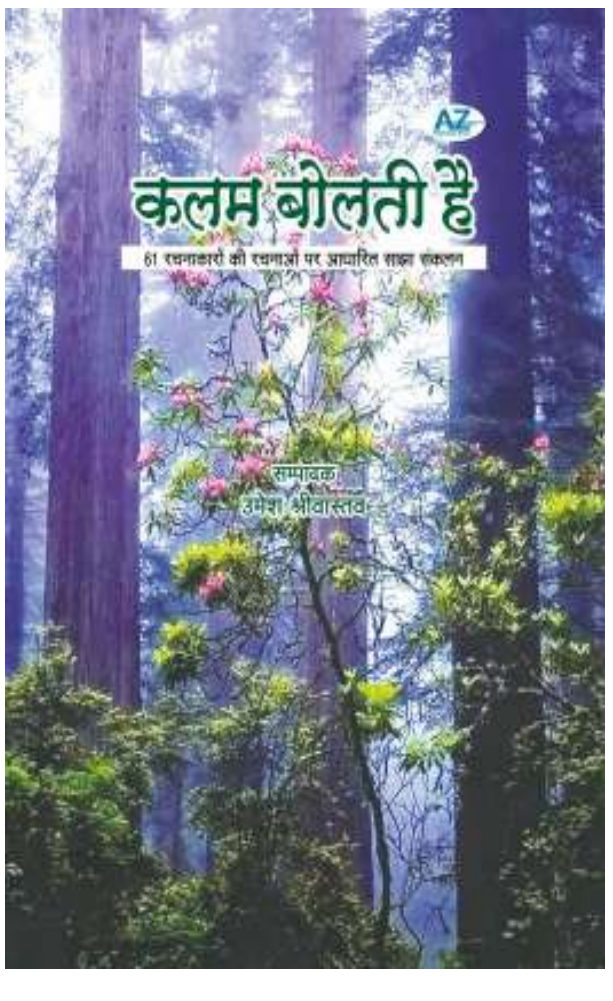

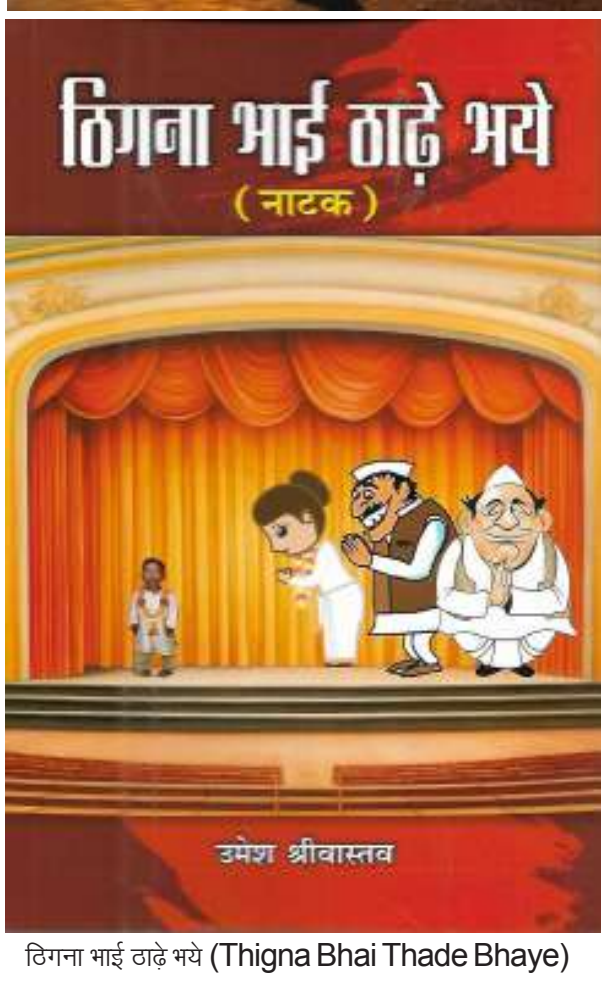

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

चीन पर शिकंजा कसने की तैयारी: अमेरिका में नया बिल पेश, ड्रैगन के सैन्य नेटवर्क पर लगाना चाहता है प्रतिबंध

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में चीन के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। दो वरिष्ठ रिपब्लिकन सांसदों ने चीन के सैन्य–औद्योगिक नेटवर्क से जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं पर तेजी से प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से नया विधेयक पेश किया है। सांसदों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानी जाने वाली चीनी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई में अब और देरी नहीं की जा सकती। क्या है इस विधेयक का उद्देश्य? रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट और प्रतिनिधि एलिस स्टेफानिक ने श्सीसीपी सैंक्शंस शॉट क्लॉक एक्टर नाम का विधेयक पेश किया है। इस प्रस्तावित कानून के तहत अमेरिकी ट्रेजरी विभाग को उन चीनी व्यक्तियों और कंपनियों के खिलाफ एक साल के भीतर कार्रवाई करनी होगी, जिन्हें अमेरिकी सरकार सुरक्षा के लिए खतरा मानती है। विधेयक का उद्देश्य वित्त वर्ष 2026 के राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम में संशोधन करना है। इसके तहत एक निश्चित समय सीमा तय की जाएगी, जिसके भीतर संदिग्ध चीनी संस्थाओं को ट्रेजरी विभाग की श्नॉन–एसडीएन चीनी सैन्य–औद्योगिक कॉम्प्लेक्स कंपनियों की सूचीश में शामिल करना अनिवार्य होगा।

क्या है अमेरिका का मौजूदा कानून? मौजूदा कानून के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति हर दो साल में ऐसी रिपोर्ट पेश करते हैं, जिसमें उन चीनी व्यक्तियों और संस्थाओं की पहचान की जाती है, जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम माना जाता है। हालांकि, अभी ट्रेजरी विभाग के लिए इन संस्थाओं पर कार्रवाई या सूची अपडेट करने की कोई तय समय सीमा नहीं है। नया विधेयक इसी व्यवस्था को बदलने का प्रयास करता है। प्रस्तावित कानून के मुताबिक, राष्ट्रपति की रिपोर्ट पेश होने के एक साल के भीतर ट्रेजरी सचिव को संबंधित विदेशी नागरिकों और संस्थाओं को प्रतिबंध सूची में शामिल करना होगा और संशोधित सूची को फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित करना होगा।

रिक स्कॉट ने क्या बताया? सीनेटर रिक स्कॉट ने कहा कि जैसे ही किसी संस्था की पहचान अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में होती है, उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सैन्य हितों के लिए काम करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था को अमेरिका में कारोबार करने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। कम्युनिस्ट चीन हमारा दुश्मन है और अब उसी के अनुरूप सख्त कदम उठाने का समय आ गया है। चीनी कंपनियों पर आर्थिक निर्भरता कम करना जरूरी

वहीं, एलिस स्टेफानिक ने कहा कि यह विधेयक चीन के सैन्य विस्तार से जुड़ी कंपनियों पर अमेरिका की आर्थिक निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह कानून सुनिश्चित करेगा कि ट्रेजरी विभाग अब चीन के दुर्भावनापूर्ण प्रभाव और सैन्य विस्तार से जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई में देरी न कर सके। स्टेफानिक ने कहा कि पिछले वर्ष कांग्रेस ने प्रशासन से उन चीनी कंपनियों की रिपोर्ट मांगी थी, जो कड़े प्रतिबंधों के दायरे में आ सकती हैं। 'सीसीपी सैंक्शंस शॉट क्लॉक एक्ट' यह सुनिश्चित करेगा कि अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरों पर तेजी से जवाब दे सके और संदिग्ध कंपनियों पर जल्द प्रतिबंध लगाए जा सकें।

संक्षिप्त

प्रवासियों पर अमेरिका सख्त: नए आदेश से बढ़ी मैक्सिको की चिंता, राष्ट्रपति शीनबॉम ने उठाया ये कदम

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने कहा है कि उनकी सरकार अमेरिका के नए आदेश का असर का विश्लेषण कर रही है। यह आदेश उन प्रवासियों पर लागू हो सकता है जो बिना कानूनी दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहे हैं। इसके तहत ऐसे लोगों के लिए अमेरिकी बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच मुश्किल हो सकती है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति शीनबॉम से उनकी रोजाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा गया कि क्या इस फैसले का असर अमेरिका से मैक्सिको भेजे जाने वाले पैसों पर पड़ेगा। ये वही पैसे हैं, जिन्हें वहां काम कर रहे मैक्सिकन नागरिक अपने परिवारों को भेजते हैं। उन्होंने बताया कि मैक्सिको का वित्त मंत्रालय और अमेरिका में नए मैक्सिकन राजदूत रॉबर्टो लाजेरी मिलकर इस मामले का अध्ययन कर रहे हैं। फिलहाल उनकी शुरुआती राय है कि इससे कोई बड़ा खतरा नजर नहीं आ रहा। अमेरिका का यह एग्जीक्यूटिव ऑर्डर सीमा–पार होने वाले पैसों के लेन–देन और बैंक खाते खोलने या अन्य बैंकिंग सेवाओं के लिए इस्तेमाल होने वाली पहचान–पत्रों की निगरानी को और सख्त बनाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस नए कदम से अब बैंक और वित्तीय रिकॉर्ड भी इमिग्रेशन जांच के दायरे में आ सकते हैं। इससे कई प्रवासियों की गतिविधियों पर ज्यादा नजर रखी जा सकती है। व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप ने 19 मई को एक आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें बैंकों और वित्तीय नियामक संस्थाओं को कहा गया है कि वे ग्राहकों की नागरिकता और इमिग्रेशन स्थिति से जुड़े संदिग्ध संकेतों पर नजर रखें। यह कदम अवैध प्रवासियों के खिलाफ चलाए जा रहे बड़े अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, श्नये से कई कर्जदारों को देश से निकाले जाने का डर है। या फिर उनके नियोक्ताओं (मालिकों) द्वारा इमिग्रेशन कानूनों का पालन करने के कारण उन्हें अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है। कानूनी तौर पर काम करने की अनुमति न रखने वाले विदेशियों को कर्ज देना बैंकिंग व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। जिन लोगों पर कमाई बंद होने का बड़ा जोखिम हो, उन्हें ऋण देने से श्कर्ज चुकाने की क्षमताश का संकट पैदा होता है। यह स्थिति हमारी राष्ट्रीय बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करती है। इसी बीच, अमेरिकी कांग्रेस में विदेश भेजे जाने वाले पैसों यानी रेमिटेंस पर 5 प्रतिशत टैक्स लगाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा चल रही है। अभी केवल नकद लेनदेन पर 1 प्रतिशत टैक्स लगता है। मैक्सिको के अधिकारियों का कहना है कि अगर ऐसा टैक्स लगाया गया तो यह "दोहरी टैक्स वसूली" जैसा होगा, क्योंकि मैक्सिकन प्रवासी पहले से ही अमेरिका में टैक्स भरते हैं। रेमिटेंस मैक्सिको की अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा का एक बड़ा स्रोत माना जाता है।

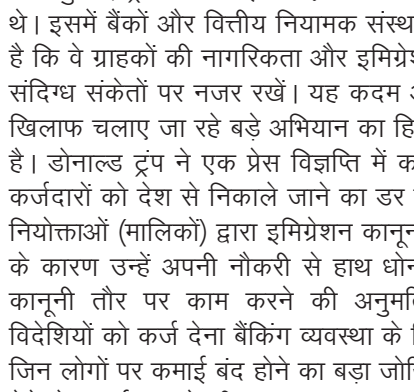

ईरान युद्ध को लेकर अमेरिका में सियासी घमासान: ट्रंप को रोकने वाला प्रस्ताव टला, अमेरिकी संसद में बढ़ा विरोध

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के ईरान युद्ध को लेकर राजनीतिक विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी संसद में रिपब्लिकन नेताओं को उस प्रस्ताव पर वोटिंग टालनी पड़ी, जिसमें ट्रंप को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने और अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने के लिए मजबूर किया जा सकता था। यह प्रस्ताव इतना मजबूत होता दिख रहा था कि उसके पास होने की संभावना बढ़ गई थी। ट्रंप पर रोक लगाने वाला प्रस्ताव टला

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में डेमोक्रेट सांसदों ने 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन' पेश किया था। इस प्रस्ताव का मकसद ट्रंप की सैन्य कार्रवाई पर नियंत्रण लगाना था। लेकिन जब रिपब्लिकन नेताओं को लगा कि उनके पास इसे रोकने के लिए पर्याप्त वोट नहीं हैं, तो उन्होंने मतदान ही टाल दिया। अब इस मुद्दे पर जून में वोटिंग होने की संभावना है। उधर सीनेट में भी इसी तरह का प्रस्ताव आगे बढ़ चुका है।

वहां चार रिपब्लिकन सीनेटर पहले ही डेमोक्रेट्स के साथ खड़े नजर आए थे। इससे ट्रंप प्रशासन की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि उनकी अपनी पार्टी के नेता भी अब खुलकर सवाल उठा रहे हैं। होर्मुज में तनाव के कारण वैश्विक शिपिंग प्रभावित अमेरिका में ईरान युद्ध को लेकर नाराजगी लगातार बढ़ रही है। फारस की खाड़ी के होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के कारण वैश्विक शिपिंग प्रभावित हुई है और अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें बढ़ गई हैं। विपक्षी सांसदों का कहना है कि यह युद्ध अमेरिका को आर्थिक और रणनीतिक नुकसान पहुंचा रहा है। डेमोक्रेट सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा कि कांग्रेस की संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वह युद्ध जैसे बड़े फैसलों पर नियंत्रण रखे। उनका कहना था कि संसद का काम बिना सोचे–समझे सरकार का समर्थन करना नहीं है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाइल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

क्या डरा इस्राइल ?: रिपोर्ट का दावा- ईरान कर सकता है अचानक हमला, युद्ध विराम पर बातचीत के बीच खौफ में नेतन्याहू

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल को अंदेशा है कि ईरान उस पर और खाड़ी देशों पर अचानक मिसाइल और ड्रोन से हमला कर सकता है। यह डर ऐसे समय में जताया गया है जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर को लेकर पर्दे के पीछे बातचीत चल रही है। श्जेरूसलम पोस्टश की एक रिपोर्ट के अनुसार, खुफिया अधिकारियों ने इस संभावित खतरे की जानकारी दी है। इस खतरे को देखते हुए इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने सुरक्षा हालात की समीक्षा की है। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि ईरान कूटनीतिक कोशिशों के पूरी तरह नाकाम होने से पहले ही हमला करने की कोशिश कर सकता है। अधिकारियों ने इस संभावित हमले की तुलना श्ऑपरेशन एपिक फ्यूरीश और श्ऑपरेशन रोरिंग लायनश के शुरुआती चरणों से की है। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच कुछ मतभेदों की खबरें भी आई हैं।

इसके बावजूद, दोनों देशों की सेनाएं किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। इस्राइली वायुसेना और आईडीएफ (प्ब्थ्) के अधिकारी अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। वे ईरान की संदिग्ध सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने के लिए खुफिया जानकारी साझा कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल ईयाल जमीर लगातार अमेरिकी अधिकारियों के संपर्क में हैं ताकि हमले की स्थिति में मिलकर जवाब दिया जा सके। पिछले एक महीने में अमेरिका से इस्राइल आने वाले सैन्य सामान की सप्लाई में काफी तेजी आई है। दोनों देशों ने मिलकर मिसाइलों को रोकने वाले सिस्टम, तकनीक और सॉफ्टवेयर को और भी बेहतर बनाया है। श्वल्लाश की एक रिपोर्ट के अनुसार, खतरों की पहचान करने और उन्हें हवा में ही नष्ट करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए एक व्यापक समीक्षा की गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरान की परमाणु क्षमता को खत्म करने के अपने फैसले पर अड़े हुए हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वे ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। ट्रंप ने साफ किया कि वे ईरान के पास मौजूद संवर्धित यूरेनियम को अपने कब्जे में लेकर उसे नष्ट कर देंगे। माना जाता है कि ईरान के पास करीब 900 पाउंड अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम है, जो हथियार बनाने के लिए काफी है। इस्राइल शुरू से ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध करता रहा है। इस्राइल का मानना है कि सांस्कृतिक और धार्मिक मतभेदों की वजह से ईरान का परमाणु कार्यक्रम उसके अस्तित्व के लिए एक बड़ा खतरा है।

ईरान के बाद अब क्यूबा की बारी ?: ट्रंप ने बताया नाकाम देश, कहा- US की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा पर दबाव बढ़ा दिया है। दोनों नेताओं ने क्यूबा को एक श्नाकाम देशश करार दिया है। उन्होंने कहा कि क्यूबा अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन चुका है। फ्लोरिडा और व्हाइट हाउस में अलग–अलग

बयानों में दोनों अधिकारियों ने संकेत दिया कि वे क्यूबा के प्रति अब और भी सख्त रवैया अपनाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बातचीत के जरिए समाधान निकालने का रास्ता अभी बंद नहीं हुआ है। क्या बोले ट्रंप? व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका क्यूबा के लोगों और वहां से आकर अमेरिका में बसे लोगों की मदद करना चाहता है। ट्रंप ने क्यूबा की खराब हालत का जिक्र करते हुए कहा कि वह एक नाकाम देश है और यह बात हर कोई जानता है। उन्होंने बताया कि वहां बिजली नहीं है, लोगों के पास पैसे नहीं हैं और खाने–पीने की चीजों की भी भारी कमी है। ट्रंप ने कहा कि वे इंसानियत के नाते क्यूबा की मदद करना चाहते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि फ्लोरिडा में रहने वाले क्यूबा मूल के अमेरिकी अपने देश में निवेश करना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उनका देश फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो सके। ट्रंप ने दावा किया कि पिछले 50–60 वर्षों से कई राष्ट्रपति इस बारे में सोचते रहे, लेकिन उन्हें लगता है कि इस समस्या को वे ही सुलझा पाएंगे। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्या कहा? दूसरी तरफ, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत रवाना होने से पहले मियामी एयरपोर्ट पर और भी कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि क्यूबा लगातार अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। रुबियो ने याद दिलाया कि क्यूबा अमेरिकी तट से सिर्फ 90 मील दूर है। वहां एक ऐसी सरकार है जिसे अमेरिका के दुश्मनों के दोस्त चला रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि क्यूबा में रूस और चीन की खुफिया एजेंसियां मौजूद हैं। वहां इन दोनों देशों के हथियार सिस्टम भी पहुंच चुके हैं। रुबियो ने क्यूबा पर लैटिन अमेरिका में अस्थिरता फैलाने और आतंकवाद को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने भी इन चिंताओं को दोहराया। उन्होंने चेतावनी दी कि क्यूबा अमेरिका के दुश्मनों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बन सकता है। मिलर ने कहा कि अमेरिका का कोई भी दुश्मन क्यूबा से हमला करने वाले ड्रोन भेज सकता है। ये ड्रोन वहां से बहुत आसानी से अमेरिकी सीमा तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका अपने इतने करीब दुश्मनों या आतंकवादियों का ठिकाना बर्दाश्त नहीं करेगा। रुबियो ने अंत में कहा कि अमेरिका मानवीय सहायता देने को तैयार है, लेकिन यह मदद क्यूबा की सेना के बजाय केवल स्वतंत्र समूहों के माध्यम से ही दी जाएगी।

'परमाणु हथियार से पश्चिम एशिया में हो सकता है बड़ा युद्ध, नहीं दे सकते इजाजत', ट्रंप की ईरान को चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान को लेकर एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने ईरान को कड़ी चेतावनी देने के साथ–साथ बातचीत से मसले सुलझाने की बात भी कही है। ट्रंप प्रशासन ने साफ कर दिया है कि वे तेहरान को किसी भी हाल में परमाणु हथियार बनाने या रखने की इजाजत नहीं दे सकते। यह बयान ऐसे समय में आया है जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली तेल की सप्लाई को लेकर पूरी दुनिया में चिंता बनी हुई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा जारी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्या कहा? इस बीच, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के दौरे पर निकलने से पहले मियामी एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने ईरान को सख्त लहजे में चेतावनी दी। रुबियो ने कहा कि अगर ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर किसी भी तरह का टोल या शुल्क लगाने की कोशिश की, तो अमेरिका इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि समुद्र के इस रास्ते पर टोल सिस्टम बिल्कुल मंजूर नहीं है। अमेरिका इस मामले में बहरीन की ओर से लाए गए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का पूरा समर्थन कर रहा है। इस प्रस्ताव को दुनिया के 100 से ज्यादा देशों का साथ मिला है, जो सुरक्षा परिषद के इतिहास में एक बड़ी बात है। रुबियो ने कहा कि दुनिया में कोई भी टोल सिस्टम के पक्ष में नहीं है। अगर ईरान इस दिशा में आगे बढ़ता है, तो किसी भी कूटनीतिक समझौते तक पहुंचना बहुत मुश्किल हो जाएगा। क्या बोले ट्रंप? इसके बाद व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप ने भी अपनी बात रखी। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का पूरा नियंत्रण है। उन्होंने इसे श्स्टील की दीवारश जैसा मजबूत बताया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की मर्जी के बिना वहां से कोई भी जहाज नहीं गुजर सकता। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान पहुंचा है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका ने ईरान की नौसेना और वायुसेना को पूरी तरह खत्म कर दिया है। साथ ही ईरान की ज्यादातर मिसाइल क्षमता भी अब खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने परमाणु हथियारों के मुद्दे को अपनी सरकार की सबसे बड़ी विदेश नीति प्राथमिकता बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु हथियार हासिल कर लेता है,

अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की कोशिशें तेज, पर्दे के पीछे बातचीत जारी, रिपोर्ट में दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बड़े समझौते को लेकर परदे के पीछे बातचीत चल रही है। ईरान की इस्ना (ISNA) समाचार एजेंसी ने बताया कि दोनों देश एक–दूसरे को संदेश और लिखित प्रस्ताव भेज रहे हैं।

वहीं, अल जजीरा की एक रिपोर्ट में ईरानी अधिकारी के हवाले से कहा गया कि दोनों पक्ष समझौते के बहुत करीब हैं। हालांकि, अल जजीरा ने कहा कि यह तय करना अभी भी जल्दबाजी होगी कि अंतिम समझौते हो गया है या नहीं। इस बीच रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि, मोहसिन नकवी ईरान के दौरे पर हैं। वे वहां होर्मुज जलडमरूमध्य के हालात पर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि अभी यह पक्का नहीं है कि अंतिम समझौता कब तक होगा। यह बातचीत एक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका के हथियारों के भंडार में कमी आई है। द वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल की रक्षा करते हुए अमेरिका ने अपनी मिसाइल रोकने वाली प्रणालियों का बहुत ज्यादा इस्तेमाल किया है। अमेरिका ने इस्राइल को बचाने के लिए 200 से ज्यादा श्थाडश (ज्.।।क्) इंटरसेप्टर दागे। इसके अलावा, समुद्र में तैनात जहाजों से 100 से ज्यादा श्स्टैंडर्ड मिसाइल–3श और श्6श भी छोड़ी गईं। इससे पेंटागन के पास मौजूद कुल स्टॉक का लगभग आधा हिस्सा खत्म हो गया है। हैरानी की बात यह है कि इस्राइल ने खुद अपने बचाव में अमेरिका से कम मिसाइलें दागीं। इस्राइल ने केवल 100 श्एरोश और करीब 90 श्डेविड्स स्लिंगश इंटरसेप्टर का इस्तेमाल किया। अमेरिकी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हथियारों की इस कमी से दुनिया की सुरक्षा को लेकर अमेरिका की क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि ईरान को संवर्धित यूरेनियम रखने की इजाजत नहीं मिलेगी। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस यूरेनियम को अपने कब्जे में लेकर नष्ट कर देगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान के साथ चल रहा विवाद बहुत जल्द खत्म हो जाएगा। ट्रंप के अनुसार, इस विवाद के खत्म होते ही पेट्रोल और डीजल की कीमतें काफी नीचे आ जाएंगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

ट्रंप का यू-टर्न, कहा- पोलैंड में भेजेंगे 5000 और अमेरिकी सैनिक, NATO देशों में बढ़ी हलचल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक नए फैसले ने यूरोप में तैनात अमेरिकी सैनिकों को लेकर बड़ा भ्रम पैदा कर दिया है। ट्रंप ने अचानक घोषणा कर दी कि अमेरिका पोलैंड में 5,000 अतिरिक्त सैनिक भेजेगा, जबकि पिछले कुछ हफ्तों से उनकी सरकार यही कह रही थी कि यूरोप में सैनिकों की संख्या कम की जा रही है। यही वजह है कि अमेरिका के सहयोगी देश और खुद उसके अधिकारी भी इस फैसले को लेकर असमंजस में हैं। पहले ट्रंप प्रशासन ने सैनिक कम करने की कही थी बात दरअसल, ट्रंप प्रशासन पहले ही यह कह चुका था कि वह यूरोप में लगभग 5,000 सैनिक कम करेगा। इसी के तहत करीब 4,000 अमेरिकी सैनिकों की पोलैंड में तैनाती रोक दी गई थी। लेकिन अब ट्रंप के नए बयान ने पूरी रणनीति को उलझा दिया है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।